गुरुवार
19 अक्टूबर 2023

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बिहार के चतुर्थ कृषि रोडमैप का किया शुभारंभ

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

## शारदीय नवरात्र

पंचम स्वरूप : मां स्कंदमाता

शारदीय नवरात्रि के पांचवे दिन देवी दुर्गा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा का विधान है। मान्यता है कि मां स्कंदमाता की उपासना से महिलाओं की सूनी गोद भर जाती है और जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहता है। मां स्कंदमाता का निवास पहाड़ों पर माना जाता है। शेर पर सवार मां स्कंदमाता की गोद में भगवान कार्तिकेय विराजमान हैं। देवी की चार भुजाएं हैं जिनमें कमल सुशोभित है और एक हाथ वरदमुद्रा में हैं। देवी स्कंदमाता सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी मानी गई हैं इसलिए इनके चारों ओर सूर्य सा तेज दिखाई देता है। इन्हें पद्मासना देवी भी कहते हैं। सूर्योदय से पूर्व स्नान के बाद हरे रंग के वस्त्र पहने और देवी को हरी चूड़ी, हरी साड़ी, मेहंदी, सिंदूर, रौली, अक्षत अर्पित करें. इस दिन हरी चुनरी में नारियल रखकर नन्दगोपगृहे जाता यशोदागर्भ सम्भवा, ततस्तौ नाशयिष्यामि विन्ध्याचलनिवासिनी। इस मंत्र का 108 बार जाप करें और नारियल को बांधकर अपने सिरहाने रखें। मान्यता है इससे सूनी गोद जल्द भर जाती है अर्थात संतान सुख के योग बनते हैं।

मान्यता है देवी को पूजा में केले का नैवेद्य लगान से स्वास्थ लाभ मिलता और संतान प्राप्ति होती हैं। ऊं स्कंदमात्रै नमः मंत्र बोलते हुए मां को भोग लगाएं इससे प्रार्थना जल्द स्वीकार होती है।

**बीज मंत्र** – ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः
**ध्यान मंत्र** – सिंहासना गता नित्यं पद्माश्रि तकरद्वया। शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी।।
**पूजा मंत्र** – या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

देवी स्कंदमाता को पीले रंग का फूल पसंद है। देवी की पूजा करने से स्वंय भगवान कार्तिकेय की उपासना भी हो जाती है। स्कंद देव यानी भगवान कार्तिकेय को देवों का सेनापति माना जाता है। इनकी पूजा से व्रती को मनचाहा फल मिलता है। मां स्कंदमाता की उपासना में हरे रंग का उपयोग करें। इससे देवी बेहद प्रसन्न होती हैं।

# सपा नेता आजम खान, पत्नी और बेटे को 7-7 साल की सजा

## फर्जी जन्म प्रमाणपत्र केस

- रामपुर की स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट ने दोषी करार दिया
- तीनों ने चुनाव लड़ने के लिए बनवाया था फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट, कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया

एजेंसी/रामपुर

यूपी में समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और रामपुर से सांसद रहे आजम खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट मामले में आजम खान और उनकी फैमिली को रामपुर की स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट ने दोषी करार दिया है। कोर्ट ने बुधवार को आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को 7-7 साल की सजा सुनाई। तीनों ने चुनाव लड़ने के लिए फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट बनवाया था। कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। इस मामले में अभी तक आजम खान और उनकी फैमिली जमानत पर थे। रामपुर कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद तीनों की जमानत जब्त कर ली गई है। तीनों को कोर्ट में ही गिरफ्तार कर लिया गया है और रामपुर जेल ले जाया गया है।

बीजेपी नेता और विधायक आकाश सक्सेना ने साल 2019 में रामपुर के गंज थाने में अब्दुल्ला आजम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। ये मुकदमा दो बर्थ सर्टिफिकेट से जुड़ा था। इसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम, उनकी पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा को भी आरोपी बनाया था। पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। इस मामले में बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीनों को सजा सुनाई।

### अब्दुल्ला का दो-दो सर्टिफिकेट

अब्दुल्ला आजम ने एक बर्थ सर्टिफिकेट 2012 में बनवाया था। 1993 की डेट ऑफ बर्थ का दूसरा बर्थ सर्टिफिकेट लखनऊ नगर निगम से बनवाया गया था। 22 वर्ष पहले एक सर्टिफिकेट और 22 साल बाद दूसरा सर्टिफिकेट बनवाया गया। कोर्ट ने इसे धोखाधड़ी का मामला माना। अभियोजन पक्ष की तरफ से 15 गवाह और 19 बचाव पक्ष की तरफ से दिए गए। अदालत ने पाया कि यह मामला धोखाधड़ी का बनता है। बुधवार को तीनों को सजा हुई।

# पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के अरनिया सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की गई है। बीती रात हुई इस फायरिंग बीएसएफ के दो जवान जख्मी हो गए है। दोनों जवानों को जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीएसएफ ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि सीमा पर बने लॉन्चिंग पैड पर कई आतंकी मौजूद हैं, जो बर्फबारी से पहले भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं। इसी के चलते पाकिस्तान ने इस फायरिंग को अंजाम दिया है, ताकि आतंकी सीमा पार कर भारत में दाखिल न हो सके। सेना के अधिकारियों के मुताबिक बीएसएफ के जवान लाइट ठीक कर रहे थे, इसी दौरान पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन पर गोली चलाई गई।

## मोदी कैबिनेट की बैठक में बढ़ोतरी प्रस्ताव को मंजूरी

# केंद्रीय कर्मियों को मोदी सरकार का तोहफा, डीए में 4% की बढ़ोतरी

- जनवरी 2023 के बाद अब तक यह दूसरी बार है जब केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी की गई है
- देश के करीब 1 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को होगा फायदा

एजेंसी/नई दिल्ली

दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिला है। नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में 4% बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। अब केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता चार प्रतिशत बढ़ गया है। इसे कर्मचारियों के लिए मोदी सरकार का बड़ा दीवाली गिफ्ट माना जा रहा है। बढ़े हुए भत्ते के बाद कर्मचारियों का डीए 42 से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गया है, जिससे अब सैलरी में भी बढ़ जाएगी। जनवरी 2023 के बाद अब तक यह दूसरी बार है जब केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी की गई है। 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ने की उम्मीद पहले से ही जताई जा रही थी लेकिन अब इस फैसले पर मोदी कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले का फायदा देश के करीब 1 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को होगा। इसे सरकार के दीवाली गिफ्ट के तौर पर देखा जा रहा है।डीए बढ़ोतरी के बाद केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाली सैलरी में इजाफे की बात करें तो, अगर सरकार किसी केंद्रीय कर्मचारी को 18,000 रुपये बेसिक-पे मिलता है, तो कर्मचारी का महंगाई भत्ता फिलहाल 42 फीसदी के हिसाब से 7,560 रुपये होता है, वहीं इसमें चार फीसदी की बढ़ोतरी के बाद अगर 46 फीसदी के हिसाब से गणना करें तो ये बढ़कर 8280 रुपये हो जाएगा। यानी उसके हाथ में आने वाले वेतन में 720 रुपये का इजाफा होगा।

### 47 लाख कर्मचारी व 68 लाख पेंशनर्स को मिलेगा फायदा

त्योहरी सीजन में डीए बढ़ने से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। माना जा रहा है कि इसका फायदा केंद्र के 47 लाख कर्मचारियों और करीब 68 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। बहीं बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 जुलाई से प्रभावी हो जाएगा। इसका मतलब साफ है कि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों को दिया जाएगा। डीए बढ़ने के साथ ही अब सरकारी कर्मचारियों की सैलरी भी बढ़ जाएगी. 24 मार्च 2023 को सरकार ने पहला संसोधन कर साल 2023 के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने का ऐलान किया था. उस समय डीए 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया गया था, जिसका फायदा 1 जनवरी 2023 से मिलना शुरू हो गया था। अब इसे 42 से बढ़ाकर 46 फीसदी कर दिया गया है, जो कि 1 जुलाई 2023 से प्रभावी होगा. नवरात्रि के दौरान मोदी सरकार के इस फैसले ने कर्मचारियों के भीतर बहुत ही खुशी भर दी है।

### रबी की छह फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार ने बढ़ाया

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी की छह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में बढ़ोतरी का फैसला किया है। इनमें तिलहन और सरसों, मसूर, गेहूं, जौ, चना और सनफ्लावर शामिल है। मसूर के एमएसपी में सबसे ज्यादा 425 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है जबकि तिलहन और सरसों का एमएसपी 200 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट और सीसीईए की बैठक में यह फैसला लिया गया है। बढ़ी हुई कीमत मार्केटिंग सीजन 2024-25 से लागू होगी।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कैबिनेट ने आज देश के करोड़ों किसानों के हित में एक अहम फैसला लिया है। छह फसलों का एमएसपी बढ़ा दिया गया है। सीएसीपी की सिफारिशों के आधार पर यह तय किया जाता है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के प्रति कृतसंकल्प है। तिलहन और सरसों में 200 रुपये, मसूर के लिए 425 रुपये, गेहूं के लिए 150 रुपये, जौ के लिए 115 रुपये, चने के लिए 105 रुपये और सनफ्लावर के लिए भी 150 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि तिलहन, दलहन और मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार ने पिछले कुछ साल में कई कदम उठाए हैं। पिछले आठ साल में अनाज की पैदावार में 31 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान अनाज की पैदावार 251.54 मिलियन टन से बढ़कर 330.54 मिलियन टन पहुंच गई है। इसी तरह दलहन की पैदावार 27.5 मिलियन टन, और तिलहन की 41 मिलियन टन पहुंच गई है। विदेशों से आयात पर निर्भरता घटाने पर जोर दिया जा रहा है।

# गाजा के अस्पताल में हमले में 500 लोगों की मौत, ईरान में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी/नई दिल्ली

गाजा के अस्पताल में हुए हमले में करीब 500 लोग मारे गए हैं, ये दावा हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से किया गया है। अस्पताल परिसर में वो लोग मौजूद थे जो पहले से घायल और विस्थापित थे। उन्होंने कहा कि इजरायल की तरफ से हुए हमले के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। सैकड़ों लोगों ने ईरान के तेहरान में ब्रिटेन और फ्रांस के दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस हमले के बाद ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने एक दिन के सार्वजनिक शोक का ऐलान किया और हमले के लिए इजरायल और उसके सहयोगी अमेरिका को दोषी ठहराया। रायसी ने कहा, गाजा अस्पताल में घायल फिलीस्तीनी पीड़ितों पर गिराए गए अमेरिकी-इजरायल बमों की लपटें जल्द ही यहूदियों को भस्म कर देंगी। गाजा हमले को लेकर मध्य पूर्व और नॉर्थ अफ्रीका में भी विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह संगठन ने गाजा अस्पताल पर हुए हमले की निंदा करने के लिए क्रोध दिवस का आह्वान किया। हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा, बुधवार को दुश्मन के खिलाफ गुस्से का दिन होना चाहिए, उसने साथी मुसलमानों और अरब लोगों से तेज गुस्सा जताने के लिए तुरंत सड़कों और चौराहों पर उतरने का आह्वान किया। उत्तरी गाजा से 10 लाख से अधिक लोग भागकर दक्षिण की ओर चले गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी नागरिकों को छोटे क्षेत्रों में धकेला जा रहा है, जिससे आवश्यक जीवन के लिए जरूरी चीजें खत्म हो रही हैं।

# राहुल बोले... अडानी ने 32 हजार करोड़ रु का किया घोटाला

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से अडानी का मुद्दा उठाया है और आरोप लगाया है कि अडानी ने 32 हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उन्होंने ये भी कहा कि अडानी की वजह से ही बिजली महंगी मिलती है। कांग्रेस नेता ने कहा, अडानी जी इंडोनेशिया में कोयला खरीदते है और उसका हिन्दुस्तान में रेट डबल हो जाता है। वो कोयले की कीमत को गलत दिखाते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल गांधी ने कहा, लोग जैसे ही बिजली का स्विच ऑन करते हैं, अडानी की जेब में पैसा जाता है। अडानी की रक्षा भारत के पीएम कर रहे हैं। दुनिया के बाकी देशों में जांच हो रही है लेकिन भारत में अडानी को ब्लैंक चेक दिया हुआ है। वो जो मर्जी चाहें कर सकते हैं। लोग 32 हजार करोड़ का आंकड़ा याद रखें।

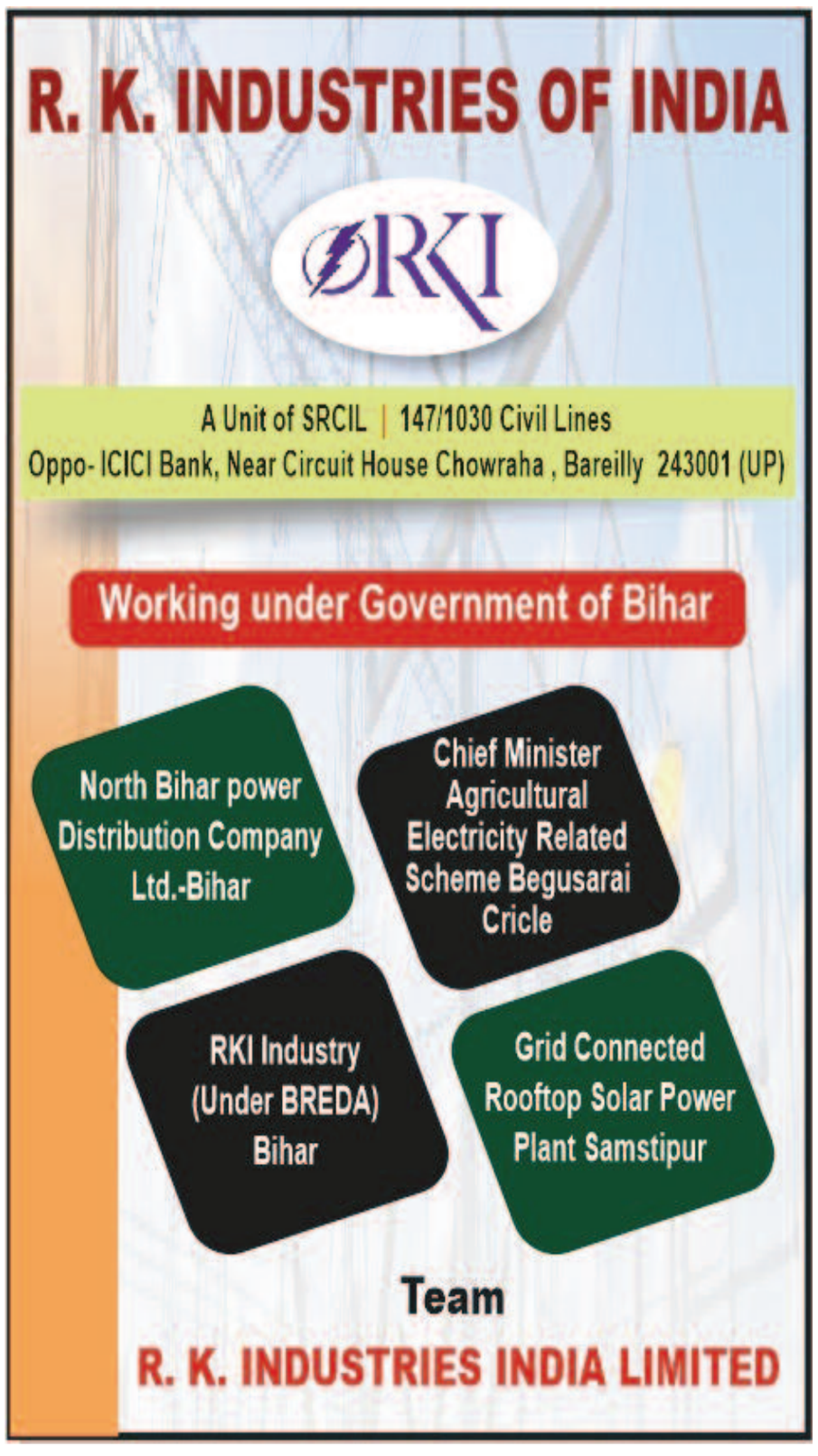


## श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी अड़चनों को चिन्हित कर समय से पूरा कराने पर फोकस

# महाकुंभ के लिए कई प्रोजेक्ट्स पूरा करने में जुटी सरकार

- सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, महाकुंभ 2025 के लिए सभी विभागों व एजेंसियों को समन्वय बनाकर युद्धस्तर पर कार्य करने का निर्देश
- 45 दिन तक चलने वाले इस महापर्व में 6 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का है अनुमान

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

12 वर्षों में एक बार लगने वाले आस्था के पर्व महाकुम्भ 2025 को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। योगी सरकार प्रयागराज स्थित पवित्र संगम स्थल पर 2025 में होने जा रहे महाकुम्भ को दिव्य, भव्य व सुव्यवस्थित बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महाकुम्भ 2025 से संबंधित कार्यों को अभी से युद्धस्तर पर पूर्ण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस भव्य आयोजन को पूर्ण करने के लिए सड़क, पुल, बिजली, मेला क्षेत्र के विस्तारीकरण और व्यवस्थापन से जुड़े 02 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स धरातल पर आ चुके हैं, जिन्हें जल्द से जल्द पूर्ण कराने पर फोकस किया जा रहा है। वहीं, 3738 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विभागों द्वारा अब तक अनुमोदित 260 परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

### 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा महाकुम्भ 2025

इस बार महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक यानी 45 दिन चलेगा। इस दौरान मेला में 06 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। 40 लाख श्रद्धालु शाही स्नानों में आ सकते हैं, वहीं 40 लाख कल्पवासी हो सकते हैं। ऐसे में, योगी सरकार लाखों-करोड़ों आगंतुकों के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर चुकी है। महाकुम्भ मेले में स्वच्छता को लक्षित करते हुए स्वच्छाग्रहियों की पर्याप्त उपलब्धता कराई जाएगी। बाकायदा डिजिटल म्यूजियम बनाए जाएंगे तथा आई ट्रिपल सी, आईटी और ड्रोन से मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए सुचारू व्यवस्था की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। इन सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई व शिथिलता न हो इस पर फोकस किया जा रहा है। योगी सरकार मेला क्षेत्र में रोप-वे, पीपा पुल, आरओबी, पुलों आदि के निर्माण कार्य को समय से पूरा किए जाने व वीआईपी के साथ सामान्य श्रद्धालुओं के ठहरने की भी पर्याप्त व्यवस्था किए जाने पर फोकस कर रही है। यही कारण है कि इन सभी उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को चिन्हित कर उसे समय से पूरा कराए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

**महाकुम्भ में न हो कोई कमी:** नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने लगभग 3738 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विभागों द्वारा अब तक अनुमोदित 260 परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को प्रगति कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने मूलभूत सुविधाओं के साथ पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग आदि की सुचार व्यवस्था करने, सड़कों व चौराहा से अतिक्रमण हटाने के साथ इनका चौड़ीकरण और सुंदरीकरण के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

### चार हजार हेक्टेयर तक विस्तृत होगा मेला क्षेत्र

महाकुम्भ 2025 के लिए नियुक्त मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने अब तक की गयी तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ 2025 में पिछले कुम्भ के सापेक्ष अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। अतः मेला क्षेत्र को 04 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में व 25 सेक्टरों में बसाया जाएगा तथा लगभग 1800 हेक्टेयर में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। 13 किमी लम्बी 7 रिवर फ्रंट रोड, ग्रीन बेल्ट का विकास, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था तथा वेंडिंग जोन की व्यवस्था भी करायी जाएगी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से वित्त पोषित 7 घाटों में सरस्वती घाट, किला घाट, दशाश्वमेघ घाट, नौकायान घाट, ज्ञान गंगा आश्रम घाट, महेवा घाट तथा रसूला घाट का भी विकास किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत चेंजिंग रूम, पेयजल, विद्युत, पार्किंग, गेट, साइनेज, बेंच, कूड़ादान, ग्रीन बेल्ट एवं शौचालयों आदि का निर्माण कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं के आने जाने के लिए बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, एयरपोर्ट का विस्तार व सुंदरीकरण कर और बेहतर बनाया जा रहा है।

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार के चतुर्थ कृषि रोडमैप का रिमोट के माध्यम से किया शुभारंभ

# मैं बिहार को अपना राज्य मानती हूं: राष्ट्रपति

- पटना के सम्राट अशोक कंवेंशन केंद्र के बापू सभागार में कार्यक्रम आयोजित
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति को हरित पौधा, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर किया स्वागत

**केटी न्यूज/पटना**

पटना के सम्राट अशोक कंवेंशन केंद्र के बापू सभागार में बुधवार को चतुर्थ कृषि रोडमैप के शुभारंभ कार्यक्रम का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधिवत उदघाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने चतुर्थ कृषि रोडमैप का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति को हरित पौधा, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। वहीं मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को चतुर्थ कृषि रोडमैप की प्रथम प्रति भेंट की।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित करते हुये कहा कि आज बिहार के चतुर्थ कृषि रोडमैप के शुभारंभ के मौके पर आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। राष्ट्रपति के रूप में मेरी भले ही यह पहली यात्रा है लेकिन मैं बिहार और बिहार के लोगों और संस्कृति से भलीभांति परिचित हूं। पड़ोसी राज्य झारखंड मैं छह साल राज्यपाल रही। मैंने बिहार की जीवनशैली और संस्कृति को करीब से जाना है और महसूस भी किया है। मेरा गृह राज्य उड़ीसा भी ऐतिहासिक रुप से बिहार से जुड़ा हुआ है। इसीलिए मुझे लगता है कि मैं भी अपने आपको बिहारी कह सकती हूं। मैं बिहार को अपना राज्य मानती हूं। मुझे बिहार के मुख्यमंत्री अक्सर बुलाते हैं इसलिए मैं बीच बीच में आती रहूंगी। मुझे प्रेसिडेंट के बाद अपने गांव जाकर कृषि का कार्य करना है। बिहार हर क्षेत्र में रोड मैप बनाकर काम कर रहा है। बिहार हैपिनेस इंडेक्स पर कार्य कर रहा है, इसलिए विकास कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार के किसान खेती में नए प्रयोगों के लिए जाने जाते हैं, वहीं उन्होंने कृषि के परंपरागत तरीकों को बचाए रखा है। राष्ट्रपति ने इसे आधुनिकता के साथ परंपरा के सामंजस्य का अच्छा उदाहरण बताया।

### बिहार की लोक संस्कृति ने पूरे विश्व में बनाई है पहचान

राष्ट्रपति ने कहा कि आज कृषि बिहार की लोक-संस्कृति का एक अहम हिस्सा है। बटोहिया और बिदेसिया से लेकर कटनी और रोपनी गीतों तक की बिहार की लोक संस्कृति और साहित्य की यात्रा ने पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मैंने सूरीनाम की अपनी यात्रा के दौरान वहां पुरातन बिहार की झलक देखी। विशाल भौगोलिक दूरी और अलग-अलग टाईम जोन में होने के बावजूद बिहार से गए लोगों ने जहां एक ओर अपनी संस्कृति और परंपरा को संजोए रखा वहीं वे स्थानीयता में भी रच-बस गए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि बिहार की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। मानव सभ्यता के विकास और कृषि के बीच घनिष्ठ संबंध रहा है। कृषि बिहार की अर्थव्यवस्था का आधार है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र में न केवल राज्य का लगभग आधा कार्यबल लगा हुआ है बल्कि राज्य जीडीपी में भी उनका अहम योगदान है। इस प्रदेश की उन्नति के लिए कृषि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि बिहार सरकार वर्ष 2008 से ही कृषि रोड मैप का क्रियान्वयन कर रही है। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि पिछले तीन कृषि रोड मैप के क्रियान्वयन के फलस्वरूप राज्य में धान, गेहूं और मक्का की उत्पादकता लगभग दुगनी हो गई है। साथ ही बिहार मशरूम, शहद, मखाना और मछली उत्पादन में भी अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।

### नए-नए प्रयोग के लिए जाने जाते हैं बिहार के किसान

राष्ट्रपति ने कहा कि बिहार के किसान खेती में नए-नए प्रयोगों को आजमाने और अपनाने के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित एक अर्थशास्त्री ने नालंदा के किसानों को वैज्ञानिकों से भी महान कहा था। यह प्रसन्नता की बात है कि आधुनिक पद्धति को अपनाते हुए भी यहां के किसानों ने कृषि के परंपरागत तरीकों और अनाज की किस्मों को बचाए रखा है। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की मांग देश-विदेश में तेजी से बढ़ रही है और बिहार के किसानों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि बिहार सरकार ने जैविक खेती के लिए गंगा नदी के तटीय जिलों में जैविक कोरिडोर बनाया है। मुर्मू ने कहा कि बिहार में अधिकांश किसान सीमांत किसान हैं और उनके लिए आधुनिक यंत्रों का उपयोग आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इसलिए कृषि और पशुपालन को एक दूसरे का पूरक बनाया जाना चाहिए जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में बिहार में बहुत कम बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार एक जल-सम्पन्न राज्य माना जाता रहा है और नदियां एवं तालाब इस राज्य की पहचान रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पहचान को बनाए रखने के लिए जल संरक्षण पर ध्यान देना आवश्यक है।

### ऐसा समाज बनाएं जिसमें द्वेष और कलह की गुंजाइश न हो

राष्ट्रपति ने कहा कि बिहार भगवान बुद्ध और अशोक की धरती है, जिन्होंने सम्पूर्ण मानवता को शांति और सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस पावन धरती के वासी से अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसे समाज का आदर्श प्रस्तुत करें जिसमें द्वेष और कलह की कोई गुंजाइश नहीं हो। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने में इस प्रदेश का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन इस सपने को सच्चाई में बदलने के लिए हमें मानव निर्मित संकीर्णताओं से बाहर निकलना होगा।राष्ट्रपति ने कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए समेकित विकास के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य के नीति-निमार्ताओं और जनता को बिहार की प्रगति के लिए एक रोडमैप निर्धारित करना होगा और उस पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में भले ही यह राज्य की मेरी पहली यात्रा है, मैं बिहार के लोगों और यहां की संस्कृति से भली-भांति परिचित हूं। पड़ोसी राज्य झारखंड में करीब छह साल तक राज्यपाल पद पर रहने के दौरान मैंने बिहार की संस्कृति और जीवन-शैली को करीब से महसूस किया है। मेरा गृह राज्य ओडिशा भी ऐतिहासिक रूप से बिहार से जुड़ा रहा है। राष्ट्रपति ने स्वयं को किसान की बेटी बताते हुए कहा कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद वह खेती करने के लिए अपने गांव जाएंगी।

### कृषि रोड मैप से किसानों को काफी फायदा: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में कृषि रोड मैप से किसानों को काफी फायदा हुआ है। धान, मक्का, गेहूं और आलू का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। वर्ष 2011-12 में नालंदा के एक किसान ने प्रति हेक्टेयर धान का सबसे ज्यादा उत्पादन कर चीन को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले प्रति हेक्टेयर का रिकॉर्ड चीन के नाम था। आलू के उत्पादन में भी नालंदा जिले के एक गांव ने भी विश्व कीर्तिमान बनाया। वर्ष 2012 से वर्ष 2017 तक दूसरे कृषि रोड मैप के तहत कार्य किये गये, जिसके फलस्वरूप फल, सब्जी, दूध, अंडा एवं मछली का उत्पादन काफी बढ़ा है। उत्पादकता बढ़ने से किसानों को काफी फायदा हुआ है। वर्ष 2017 से वर्ष 2022 तक तीसरे कृषि रोड मैप के अन्तर्गत कार्य तय किये गये थे लेकिन इसका कार्यकाल एक साल के लिये बढ़ाकर वर्ष 2023 तक कर दिया गया। बचे हुये कार्य एवं आगे के कार्य के और विस्तार को लेकर आज से चतुर्थ कृषि रोड मैप की शुरूआत की गयी है। इसके तहत तेजी से कार्य होंगे ताकि किसानों को और फायदा हो सके। उन्होंने कहा कि चतुर्थ कृषि रोड मैप शुरू करने के पहले किसानों से भी राय ली गई थी। बिहार में मछली का उत्पादन ढाई गुणा बढ़ा है। अब बिहार मछली उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है। अब बिहार में बाहर से मछली मंगाने की जरूरत नहीं है।

# शिक्षक भर्ती परीक्षा में एक लाख 22 हजार 324 अभ्यर्थी सफल

**केटी न्यूज/पटना**

बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षक भर्ती परीक्षा के उच्च माध्यमिक स्कूल के लिए परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी कर दिया है। दो दिन के अंदर माध्यमिक और प्राथमिक स्कूल में शिक्षक बनने के लिए परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा। मंगलवार को उच्च माध्यमिक स्तर के 16 विषयों का परीक्षाफल जारी कर दिया था। बुधवार को सात और विषय का रिजल्ट आया। बुधवार को बीपीएससी के अध्यक्ष अतुल प्रसाद ने प्रेस कॉफ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि कहा जिस समय से भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया शुरू हुई, उस समय कई लोग तरह-तरह के आरोप लगाते रहे। ऐसा कोई दिन नहीं था जब लोगों ने परीक्षा को रद्द करवाने की कोशिश नहीं की गई। इसके बाद बीएड बनाम यूजीसी का प्रश्न भी सुप्रीम कोर्ट में गया। उस दौरान हमलोग ने निर्णय लिया हमलोग 75 प्रतिशत रिक्ति को पूरा करेंगे। इसके लिए कट ऑफ भी कम किए जा सकते हैं। इस पर भी सवाल उठे। गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए। परीक्षा के बाद कई लोगों ने हंगामा किया कि प्रश्न बहुत कठिन पूछे गए। तरह-तरह की बातें की गई। सोशल मीडिया पर भी कई तरह के भ्रम फैलाए गए। ओएमआर सीट अपलोड करने को लेकर भी सवाल उठाए गए।

**दुर्गा पूजा से पहले सभी रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे:** बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि आरोप और उठते सवालों के बीच आयोग ने महज 60 दिनों के अंदर 43 विषयों का रिजल्ट बना लिया। इतना भी नहीं पास हुए अभ्यर्थियों का जिला आवंटन का भी लिस्ट तैयार कर लिया गया है। अगले दो दिन में माध्यमिक और प्राथमिक स्तर का रिजल्ट जारी हो जाएगा। बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि आज तक बीपीएससी के इतिहास में इतनी जल्दी इतने संख्या में रिजल्ट नहीं दिया गया है। कटऑफ को लेकर जिन्होंने सवाल उठाए, वह भी गलत साबित हुआ। बिहार के अभ्यर्थी काफी काबिल हैं। इस परीक्षा में हमलोगों बड़े पैमाने में तकनीक का उपयोग किया। कई फजीवाड़ा करने वाले भी पकड़े गए। एक लाख 22 हजार 324 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इसमें प्राथमिक शिक्षकों के लिए 72419 रिजल्ट दे रहे हैं। बीपीएससी अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि दुर्गा पूजा से पहले सभी रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे। अब तक 1 लाख 22 हजार 324 अभ्यर्थी सफल हुए। यानी 72 प्रतिशत रिजल्ट हुए।

**बीएड अभ्यर्थियों का रिजल्ट होल्ड :** बीएड अभ्यर्थियों पर शायराना अंदाज में टिप्पणी करते हुए कहा कि जिसने दर्द दिया, वही दवा भी देंगे। सूत्रों की मानें तो बीएड अभ्यर्थी का रिजल्ट फिलहाल होल्ड कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट से डिसीजन आने के बाद उनके रिजल्ट पर बीपीएससी फैसला लेगी। फिलहाल, 72,419 प्राथमिक शिक्षकों का रिजल्ट जारी किया जाएगा। इसमें केवल डीएलएल के अभ्यर्थी ही होंगे।

GYAN JYOTI PUBLIC SCHOOL
RUPSAGAR
Affiliated to CBSE NEW Delhi (10+2)
Rupsager, Main Road, Nawangar Buxar (Bihar)
Cantact No - 6200727438, 7004289776, 7654245005 | Email - gips2011@ Yahoo.in, gyanjyotipublicschool.in

विद्यालय में छात्रों के लिए अत्याधुनिक सुविधा

- असम, बंगाल व दार्जिलिंग के कुशल एवं प्रशिक्षित शिक्षक
- स्मार्ट क्लासेज आडियो एवं वीडियो से कक्षाओं का संचालन
- अत्याधुनिक विज्ञान व कंप्यूटर की प्रयोगशालाएं
- सुव्यवस्थित पुस्तकालय
- खेलकूद, योग, नैतिक शिक्षा व शारीरिक शिक्षा का कुशल ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण
- बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक क्लास सीसीटीवी कैमरे से लैस
- बच्चों के लिए हैप्पीनेस क्लासेज
- कराटे व स्काउट एंडगाइड का कुशल ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण

## खबरें फटाफट

### भाजपा लीगल सेल के जिलाध्यक्ष बने सुमन

**बक्सर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के नेतृत्व एवं बक्सर जिला के सांसद सह केन्द्रीय मंत्री अश्वनी कुमार चौबे के नेतृत्व में अधिवक्ता सुमन कुमार श्रीवास्तव को लीगल सेल का जिलाध्यक्ष सह संयोजक बनाया गया। पार्टी को मजबूत बनाने में लीगल सेल की अहम भूमिका होती है, जहां न्यायालय में जिले के कोने-कोने से जनता की आगमन होती है। जिसमें प्रचार प्रसार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका न्यायालय साबित होता है। अधिवक्ता सुमन श्रीवास्तव को लीगल सेल का संयोजक बनाए जाने पर न्यायालय के अधिवक्ताओं में हर्ष है।

### वाहनों की टक्कर को लेकर हुई मारपीट

**राजपुर।** बुधवार की शाम धनसोई बाजार के ठाकुरबाड़ी बस स्टैंड के पास दो वाहनों के बीच टक्कर हो गई। जिसे लेकर दोनों वाहन चालकों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसके कारण मौके पर लोगों की भीड़ लग गयी। हालांकि मारपीट को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराया गया है। इस बाबत थानाध्यक्ष ने बताया कि मारपीट की घटना की सूचना है। मगर किसी ने शिकायत नहीं की है।

### मनाया गया सम्राट कुणाल मौर्य का सम्मान दिवस

**बक्सर।** धम्मविजये महोत्सव के तहत सम्राट कुणाल मौर्य का सम्मान दिवस मनाया गया। सदस्ये जदूराई कुशवाह ने बताया अशोक ने अपने पुत्र को मौर्य साम्राज्य की बागडोर संभालने के लिये तैयार करने हेतु उज्जैने भेजा। जहां उनका पालन-पोषण हुआ। कार्यक्रम संयोजक युवा सम्राट ऋतुराज मौर्य ने बताया की कुणाल हिमालय में पाये जाने वाले पक्षियों मै एके है। सम्राट अशोक जिन्होंने सारे भारत पर शासन किया था, उन्होंने अपने पुत्र कुणाल का नाम इस पक्षी की आंखों के ऊपर रखा था। कुणाल के जीवन पर वीर कुणाल नाम से एक अर्ध-कल्पित चलचित्र का निर्माण 1925 में किया गये था। सन 1941 में अशोक कुमार नाम से बनी एक तमिल फिल्म भी कुणाल के जीवन पर आधारित थी।

# जज्बा: देवी शक्ति को रूप देने में जुटी स्वयं नारी शक्ति, मूर्ति बना चला रही परिवार

**सौरभ केशरी/डुमरांव**

- डुमरांव में मां दुर्गे की प्रतिमाओं को मूर्त रूप दे रही हैं पंचरत्नी कुंअर

नवरात्र में मां के पट खुलने में कुछ ही दिन अब शेष बचे हैं। पूजा-पंडालों में कारीगर देवी प्रतिमाओं के निर्माण में जुटे है। आयोजक भी पंडालों को खूबसूरत तरीके से सजावट कर रहे है। इन सबके बीच डुमरांव के पुराना धर्मशाला के समीप एक कुम्हार के आंगन में चूड़ियों की खनखनाहट के बीच मां देवी अवतरित हो रही है। महिला मूर्तिकार पंचरत्नी देवी मां दुर्गे के विभिन्न रूपों को मूर्त रूप देने में लीन है। उनकी नजरों की सजगता और मिट्टी से सने-सधे हाथों की कलाकारी देख सभी अचंभित है। पंचरत्नी देवी स्व. गुप्तेश्वर प्रसाद की पत्नी है, जिन्होंने मूर्ति कला को अपने रोजगार का साधन बनाया।

वह कहती है कि मेरे मायके में भी पुरुषों द्वारा ही मूर्तियां बनायी जाती रही है। मेरे पिता ने मुझे यह हुनर सिखाया है। जो आज जीविका का साधन बन गया है। इटाढ़ी थाने के कुकुढ़ा गांव निवासी स्वर्गीय विश्वनाथ सिंह की बेटी पंचरत्नी की माने तो इनके पिता जिला के चर्चित मूर्तिकार के रूप में रहे है। उनकी कलाओं से बनायी गयीं प्रतिमाओं की मांग बढ़ने लगी और लोग दूर-दूर तक बुलाने लगे। पिता ने मुझे हुनरमंद बनाया और मुझे भी मूर्तिकला का जुनून सवार होने लगा। दो बहनों में बड़ी होने के नाते मेरी शादी पहले ही हो गयी। ससुराल में भी इस पेशे को पूर्व से ही अपनाया गया था, लेकिन ससुर रामजन्म की मौत के बाद परिवार का बोझ मेरे पति पर आ पड़ा। इस पेशे से घर चलाना आसान नही था। रोजी-रोटी व भविष्य की समस्या परेशान करने लगी। इसके बाद पति के साथ हाथ बंटाने लगी। आज अपने बदौलत मिट्टी के मूर्ति में जान डालती हूं।

**आसान नहीं है मूर्तिकार बनना :** पंचरत्नी कहती है कि मूर्तिकार बनना आसान नही है। कुम्हार परिवारों में अधिकांश लोग मूर्तिकला जानते है। लेकिन यहां काम करने के लिए हाथों की कला में माहिर होना जरूरी है। जिस मूर्तिकला के कारण मेरे पति की पहचान डुमरांव इलाकें में है, उस कला को मैं कैसे छोड़ सकती थी। आखिरकार यही तो हमारी पहचान है और पहचान के बिना हमारा वजूद ही क्या रह जाता।

**आमदनी से 6 माह का होता है गुजार :** मूर्तिकला ही इनके परिवार का पेट पालने का जरिया है। पंचरत्नी कहती है कि दुगार्पूजा के समय 18 से 20 मूर्तियां बनाने का आर्डर मिल जाता है। इनकी बनायी हुई मूर्तियां डुमरांव के कई पंडालों सहित ग्रामीण इलाकों में भी सजती है। इस मूर्ति से हुई आमदनी से छह महीने तक परिवार का गुजारा आराम से होता है। वे दुगार्पूजा के अलावे अन्य पर्व त्योहारों के लिए अलग अलग देवी देवताओं की मूर्तियां भी बनाती है।

**बंगाल के मूर्तिकारों से बढ़ी परेशानी :** कुमारटोल कोलकाता का वह हिस्सा है जहां के मूर्तिकार बिहार के छोटे-छोटे जगहों पर भी जाकर मूर्ति का निर्माण करने लगे है। विगत पांच वर्षों के अंदर डुमरांव में भी आयोजक इन कलाकारों से मूर्ति बनवाने लगे है और धीरे-धीरे स्थानीय मूर्तिकारों का कद्र कम होता गया। ऐसी हालत में मुश्किलें बढ़ गयी है। ग्राहकों को स्थानीय मूर्तिकार कम दर में ही मूर्तियों को बेचने पर विवश होते है।

## श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए अग्निशमन विभाग व बिजली कंपनी की टीम चला रही संयुक्त अभियान

# फायर प्रूफ होंगे पूजा पंडाल, अगलगी की घटना रोकने को अलर्ट मोड में रहेंगे समिति के सदस्य

- डीएम के निर्देश पर पूजा पंडालों में सुरक्षा मानकों का निरीक्षण शुरू
- पूजा समिति सदस्यों को दी गई गाइडलाइन की जानकारी

**रजनी कांत दूबे/डुमरांव**

दुगार्पूजा के दौरान पूजा पंडालों में अगलगी तथा अन्य तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इस बार खास इंतजाम किए गए है। ताकी पंडालों में दर्शन पूजन करने वाले श्रद्धालुओं के जान माल का खतरा न आए। इस मुद्दे पर जिला प्रशासन काफी सख्त है। डीएम के निर्देश के बाद डुमरांव में भी पूजा पंडालों में सुरक्षा मानकों की जांच तथा पूजा समिति के सदस्यों को जागरूक करने का काम शुरू हो गया है। डुमरांव थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक में जहां उन्हें पूजा व विसर्जन से संबंधित जानकारियां दी गई थी।

वहीं अगलगी की घटना को रोकने के लिए डुमरांव एसडीओ कुमार पंकज के निर्देश पर अग्निशमन विभाग व बिजली कंपनी ने बुधवार से संयुक्त रूप से कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत शहर के तीन पूजा पंडालों में अग्निशमन विभाग व बिजली कंपनी की टीम ने सुरक्षा मानकों की जांच की तथा पूजा समिति के सदस्यों को जरूरी निर्देश दिए।

### पंडालों में मॉक ड्रिल का किया गया आयोजन

अग्निशमन विभाग व बिजली कंपनी की टीम ने शहीद गेट के श्री शहीद गेट दुगार्पूजा समिति, चौक रोड के श्री जय मां दुर्गा पूजा समिति तथा बड़ी देवी श्री जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति के पंडालों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अग्निशमालय पदाधिकारी बुन्नी साह के नेतृत्व में अग्निशमन विभाग की टीम ने अगलगी से बचाव के लिए मॉक ड्रिल कर सदस्यों को जागरूक किया गया। वही बिजली कंपनी के टाउन जेई मनीष कुमार ठाकुर ने जर्जर तारों की मरम्मत करवाई तथा पूजा समिति सदस्यों को कई आवश्यक निर्देश दिए।

**पूजा पंडालों में सुरक्षा के लिहाज से दी गई जानकारियां :** इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से टीम ने कई जानकारियां दी। सदस्यों को बताया गया कि पूजा पंडालों में सुरक्षा के लिहाज से क्या जरूरी है तथा क्या नहीं करना है। **केशव टाइम्स** की टीम से सुरक्षा मानकों की जांच करने वाली टीम ने उन बिंदुओं को साझा किया है जो पंडालों में सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है। पूजा पंडालों में होनेवाली अगलगी की घटना रोकने की दिशा में प्रशासन का यह प्रयास सराहनीय है।

इस दौरान अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल के माध्यम से अगलगी से बचाव तथा फायर प्रूफ पंडाल बनाने के प्रति जागरूक किया। वहीं तीनों पूजा पंडालों के अध्यक्ष, सचिव तथा अन्य सदस्यों को सुरक्षा के लिहाज से क्या करना है और क्या नहीं करना है इसकी जानकारी दी गई। जबकि बिजली कंपनी के जेई ने पंडालों के आस पास के तारों की जांच कर जर्जर तारों की मरम्मत करवाई। इस कवायद से पूजा समिति के सदस्यों का उत्साह बढ़ गया है।

### तैयारियों को लेकर बोले अधिकारी...

**मेला से पहले दुरूस्त होंगे बिजली के तार**

“ राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन्स के तहत पूजा पंडालों में शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए इस बार विशेष तैयारी की जा रही है। शहरी क्षेत्रों में बन रहे सभी पंडालों का निरीक्षण कर तारों का निरीक्षण किया जा रहा है। दशहरा मेला से पहले सभी जगहों पर जर्जर तारों को दुरूस्त कर लिया जाएगा।

*– मनीष कुमार, टाउन जेई, बिजली कंपनी, डुमरांव*

**सावधानी बरतने से रूक सकती है अगलगी**

“ अमूमन पूजा पंडालों में अक्सर असावधानी के चलते अगलगी की घटनाएं हो जाती है। थोड़ी सावधानी बरत हम पंडालों में अगलगी की घटनाओं को रोक सकते है। मॉक ड्रिल में उन्हीं बातों की जानकारी दी जा रही है। 24 अक्टूबर तक हर दिन पंडालों में जाकर मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी।

*– बुन्नी साह, अग्निशमालय पदाधिकारी, डुमरांव*

### सुरक्षा के लिए ये जरूरी

- पूजा पंडालों की उंचाई 3 मीटर से अधिक रखनी है।
- पंडाल निर्माण में जुट की रस्सी का प्रयोग करना है।
- पंडाल के चारों तरफ 4 से 5 मीटर सूखा व खाली जगह रखना है।
- सभी पंडालों के मुख्य गेट पर दो अग्निशमन यंत्र लगाना है।
- पंडाल के पास बालू, पानी तथा जलस्त्रोत की हो व्यवस्था
- पंडाल में इमरजेंसी लाईट की व्यवस्था होनी चाहिए।
- हवन टीन शेड या पंडाल से बाहर करना है।

### रखें इन बातों का ध्यान

- पंडाल भट्टी के पास, बिजली के तारा या ट्रांसफार्मर के नीचे नहीं होना चाहिए।
- पंडाल की चौड़ाई पांच मीटर से कम नहीं होना चाहिए।
- पंडालों में बिजली तारों के जोड़ को खुला नहीं रखें, बल्कि उस पर टेप लगा दें।
- पंडालों में हैलोजन लाईट का प्रयोग नहीं करें।
- पंडाल के अंदर बिजली पैनल या जेनरेटर का प्रयोग न करें।
- पंडाल के पास या अंदर आतिशबाजी न करें। पंडाल के अंदर धूम्रपान न करें।

## स्कूल का छज्जा टूटने से गिरे मजदूर की हुई मौत

**नावानगर।** सोनवर्षा ओपी के मिडिल स्कूल टीकपोखर का छज्जा टूटने से एक मजदूर के मौत का मामला प्रकाश में आया है। मृतक मजदूर की पहचान रुपसागर गांव निवासी रामाधार कमकर के 35 वर्षीय पुत्र विजय कमकर के रूप में हुई है। जो उक्त स्कूल में चल रहे भवन निर्माण में मजदूरी कर रहा था। घटना बुधवार की है। इधर पुलिस ने मजदूर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार स्कूल में बन रहे भवन के ऊपरी हिस्से में प्लास्टर का काम चल रहा था। जिसमें मृतक मजदूरी का काम करता था। बुधवार को मजदूर स्कूल के पुराने व जर्जर छज्जा पर बैठ कार्य कर रहा था। तभी छज्जा टूटकर गिर पड़ा, मजदूर भी छज्जा के साथ जमीन पर गिर गया, जिसे काफी गंभीर चोटें आई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने जख्मी मजदूर को महादेवगंज स्थित एक निजी क्लीनिक में प्राथमिक उपचार के बाद नावानगर सीएचसी में इलाज के लिए ले गए, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मजदूर ने दम तोड़ दिया। मजदूर की मौत की खबर रूपसागर गांव में पहुंचते ही उसके घर में कोहराम मच गया। कमाऊ बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले के संबंध में सोनवर्षा ओपीध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मृतक मजदूर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्राथमिकी के लिए मृतक के परिजनों द्वारा आवेदन नहीं दिया गया है।

## मुखिया पर स्कूल में ताला जड़ने का प्रधानध्यापिका ने लगाया आरोप

**केटी न्यूज/डुमरांव**

प्रखंड के मध्य विद्यालय मुंगाव की प्रधानाध्यापिका मीना यादव ने पंचायत के मुखिया इंद्रजीत कुमार राय उर्फ इंदल राय पर स्कूल में ताला जड़ने तथा बच्चों को स्कूल से भगाने का आरोप लगाते हुए प्रभारी बीईओ को आवेदन दिया है। बीईओ को दिए आवेदन में प्रधानाध्यापिका ने बताया है कि मंगलवार को स्कूल में जब निर्धारित समय पर मैं तथा अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं पहुंची तो वहां मुखिया मौजूद थे तथा स्कूल में ताला बंद कर दिए।

इसके बाद मैं एक शिक्षिका को लेकर कोरानसराय थाना पहुंची। उधर से पुलिस के साथ आने पर पुलिस ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया। हालांकि इस संबंध में प्रधानाध्यापिका द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया है। वही प्रभारी बीईओ सह डीपीओ द्वारा भी अभी तक इस मामले पर कोई निर्देश नहीं दिया गया है। शिक्षिका ने बताया कि मुखिया के इस हरकत से उस दिन का पठन पाठन ठप रहा।

# कोरानसराय में नियमों को ताक पर रख मजदूरों के बदले जेसीबी मशीन से हुआ मनरेगा का काम

**केटी न्यूज/बक्सर**

**पंचायत के हाई स्कूल में मनरेगा योजना के तहत पेवर ब्लॉक सोलिंग का मामला डीएम के पास पहुंचा**

कोरानसराय पंचायत में मनरेगा के तहत पेवर ब्लाक के बिछाने के दौरान साफ सफाई के लिए मजदूरों के बदले जेसीबी का उपयोग करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में स्थानीय ग्रामीण शंकर साह ने डीएम व डीडीसी को आवेदन दे शिकायत किया है।

अपने आवेदन में शंकर ने बताया है कि कोरान सराय हाई स्कूल में मनरेगा के तहत पंचायत समिति सदस्य द्वारा बॉलीबाल ग्राउंड व पेवर ब्लाक का कार्य कराया जा रहा है। योजना संख्या 223-24 वर्क कोड एवी/20406774 के तहत 5 लाख 77 हजार 538 रूपए के लागत राशि से काम कराया जा रहा है। प्राक्कल बोर्ड पर मजदूरों से काम कराने के मजदूरी को भी अंकित किया गया है। जबकि मजदूरों के बदलें जेसीबी से काम कराया जा रहा है। शंकर ने बताया है कि पेवर ब्लाक की गुणवत्ता भी मानक के अनुरूप नहीं है। ग्रामीण ने अपने आवेदन में बताया है कि उनके पास साक्ष्य के तौर पर जेसीबी चलने का वीडियो मौजूद है।

उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की है। बता दें कि मनरेगा योजना की शुरूआत ही मजदूरों के रोजगार गारंटी के लिए किया गया है। लेकिन मनरेगा के तहत कई जगहों पर जेसीबी से काम कराने की शिकायत पहले भी मिली है। कार्य एजेंसिया मजदूरों के फर्जी हस्ताक्षर पर भी भुगतान कराते आ रही है। वही देखना है कि कोरानसराय में जेसीबी से काम कराने की शिकायत के बाद जिला प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है।

## बिजली चोरी में 6 पर केस दर्ज

**केटी न्यूज/डुमरांव**

स्थानीय थाना क्षेत्र के कुशलपुर गांव में विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौगाईं के कनीय अभियंता शैलेश कुमार के नेतृत्व में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें टोंका फंसाकर बिजली चोरी करने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ डुमरांव थाना में प्राथमिकी दर्ज कर विद्युत ऊर्जा चोरी के दौरान विभाग को हुई राजस्व की क्षति के आरोप में जुर्माना भी लगाया गया।

पुलिस को दिए आवेदन में शिकायकर्ता ने बताया है कि कुशलपुर गांव के आदित्य सिंह पर 50631 रुपये, रामविलास यादव पर 17604 रुपये, श्रीराम यादव पर 18739 रुपये, हरनाहा कुशलपुर के उमेश गोप पर 21771 रुपये, रामचंद्र राय पर 20355 रुपये और चंदा ज्योति देवी पर 28160 रुपये का जुमार्ना लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। बिजली विभाग के अधिकारियों की इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से बिजली जलाने वालों के बीच हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष दिनेश मालाकार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## केसठ प्रखंड के रामपुर में जन संवाद का आयोजन, जिलाधिकारी ने सुनी लोगों की समस्याएं

# जीविका समूह से आत्मनिर्भर बन रही हैं महिलाएं: डीएम

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड के रामपुर में बुधवार को जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीएम अंशुल अग्रवाल ने लोगों की समस्या सुनी और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिए निर्देशित भी किया। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित अधिकारियों को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डुमरांव एसडीओ कुमार पंकज एवं केसठ बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

इस कार्यक्रम में लोगों को अपनी शिकायत या सुझाव दर्ज कराने के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित करीब 20 काउंटर बनाए गए थे। जन संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने लोगों की समस्या सुनी और उसके निराकरण के लिए स्थानीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आपकी सभी उचित समस्या सुनी जाएगी और उसका निराकरण भी होगा। जनसंवाद के दौरान पंचायत मुखिया प्रतिनिधि बसंत पांडेय ने बालिकाओं के लिए कन्या उच्च विद्यालय की मांग की। वही लोगों ने नाली गली, नल जल, खेल मैदान सहित अन्य समस्यायों को डीएम के सामने उठाया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निराकरण करने को कहा।

**जिले का आखरी जन संवाद था यह :** बीडीसी मंजू देवी ने पंचायत में बच्चों के लिए पुस्तकालय खोलने, खेल के मैदान की व्यवस्था करने तथा महादलित भूमिहीनों को जमीन उपलब्ध कराने की मांग की। जिलाधिकारी ने जल्द ही भूमिहीनों को जमीन उपलब्ध कराने को ले आश्वाशन दिया। वही कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस के तहत वंदना कुमारी को दो हजार रुपए का डमी चेक जिला पदाधिकारी के द्वारा दिया गया। कौशल विकास से संबंधित तीन छात्रा मधु कुमारी और छात्र नंद राज को जिलाधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंपा। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने लोगों को सरकार के द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी दी तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने के लिया कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि ये जिले का आखरी यानी 22 व जन संवाद था।

कार्यक्रम में मुख्यरूप से डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल, सीओ अजीत कुमार सिंह, स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय बारी, जीविका परियोजना प्रबंधक धर्मवीर गुप्ता, आत्मा अध्यक्ष सतेन्द्र दुबे, सहित अन्य उपस्थित रहे। वहीं वहीं इस मौके पर उपस्थित डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने पुलिस के द्वारा अपराध नियंत्रण तथा तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के संबंध में जानकारी दी तथा लोगों से अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा की अगर लोगो के साथ किसी तरह का कोई भी साइबर अपराध की घटना होती है तो तुरंत नजदीकी साइबर थाना पहुंच सूचना दें। इस दौरान कुल 8 शिकायत कताओं ने आवेदन दिया।

## खबरें फटाफट

### आर्म्स एक्ट मामले में आरोपित को दो वर्ष कारावास

**जहानाबाद।** अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम अमरजीत कुमार की अदालत ने आर्म्स एक्ट के मामले में अभियुक्त सोनू कुमार को दोषी पाते हुए 2 वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। अभियुक्त ग्राम गिंजी घोसी थाना क्षेत्र का निवासी बताया जाता है। मामले में प्रभारी जिला अभियोजन पदाधिकारी अवनीश त्रिपाठी ने बताया कि यह मामला घोसी थाना से संबंधित है। अभियुक्त सोनू कुमार गिंजी मध्य विद्यालय के पास रात्रि में किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। इसी बीच पुलिस निरीक्षक निखिल कुमार गुप्त सूचना के आधार पर दलबल के साथ गिंजी मध्य विद्यालय के पास पहुंचा तो, अभियुक्त सोनू कुमार पुलिस जीप को देखकर भागने लगा जिसे पुलिस के द्वारा खदेड़कर पकड़ा गया अभियुक्त के बाइक की डिक्की से एक देशी लोडेड पिस्तौल एवं चार जिंदा कारतूस बरामद किया गया था। न्यायालय ने सात गवाहों के गवाही के मद्दे नजर रखते हुए अभियुक्त सोनू कुमार को आर्म्स एक्ट के तहत 2 वर्ष कारावास की सजा सुनाई है।

### युवा लोजपा (रा.) ने चलाया सदस्यता अभियान

**जहानाबाद।** युवा लोजपा (रामबिलास) के जिला अध्यक्ष पिंटू कुशवाहा के नेतृत्व मे सदस्यता अभियान सह संगठन विस्तार किया गया। युवाओं ने बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट विजन डॉक्युमेंट के एवं चिराग पासवान के विचार धारा को देख कर युवा लोजपा में शामिल हुए और संकल्प लिया कि चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करेंगे, और जन जन तक पहुंचने का काम करेंगे और दर्जनों युवाओं ने सदस्यता ग्रहण किया। सभी युवाओं ने कहा कि आज की सरकार युवाओं को छलने का काम कर रही है।

# आस्थाः केसठ गांव के मां भवानी मंदिर में पूरी होती है श्रद्धालुओं की मनोकामना

- प्रत्येक पूर्णिमा मास को हर कीर्तन का होता है आयोजन
- चेरो खरवार के वंशजों ने की थी मंदिर की स्थापना

**प्रकाश कुमार बादल/केसठ**

केसठ प्रखंड के स्थानीय गांव स्थित अति प्राचीन मां भवानी मंदिर के प्रति पूरे इलाकाई श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास जुड़ा हुआ है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां करीब 600 साल पहले स्थापित मंदिर में विराजमान मां भवानी की पूजा-अर्चना करने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। पूरे नवरात्र में यहां भक्तों तथा क्षेत्र के लोग पूजा-अर्चना करते हैं। जिससे

पूरा इलाका भक्ति से सराबोर हो जाता है। वैसे तो पूरे साल सुबह-शाम पूजा-अर्चना करने भक्त यहां आते हैं।

**प्राचीन है मंदिर का इतिहास :** गांव के बीचोंबीच केसठ गढ़ के समीप मां भवानी के मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में काफी आस्था है। भक्तों की मान्यता है कि तकरीबन 600 साल पहले मंदिर गढ़ पर था। चेरो खरवार के वंशज मां भवानी की पूजा किया करते थे। चेरो खरवार के चले जाने के बाद रसीदपुर में नदी की धारा प्रभावित होने पर रसीदपुर के लोग गढ़ के समीप बस गए। जहां लोगों ने देखा कि मां भवानी का पुरानी मंदिर ध्वस्त था। जिसे ग्रामीणों द्वारा सहयोग से बनवाया गया। यहां पूरे नवरात्र में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। इलाकाई बुजुर्गों का कहना है कि जो दिल से यहां पूजा कर जो भी भक्त मांगते हैं। उनकी मनोकामना पूर्ण हो जाती है। यहां पूरे साल मां के भक्तों का हुजूम उमड़ता है।

### मंदिर की है कई विशेषता

नवरात्र में पूरे महीने इलाकाई श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। प्राकृतिक सौंदर्यता के बीच सुकून पाने के लिए काफी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। नवरात्र में पूरे ग्रामीणों के सहयोग से धूमधाम के साथ पूजा की जाती है। मंदिर के पुजारी तथा ग्रामीणों के सहयोग से प्रत्येक पूर्णमासी को हरिकीर्तन किया जाता है। मंदिर के सामने पंचायत भवन से इसकी भव्यता तथा सुंदरता में चार चांद लग जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि काफी लंबे समय से मंदिर प्रांगण में फगुनी शिवरात्रि तथा आस्था का पर्व छठ को पूजा-पाठ का आयोजन किया जाता है। जिसमें क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोग शिरकत करते हैं। इसको लेकर काफी चहल-पहल रहती है। किसी को कोई परेशानी न हो। इसके लिए मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के साथ ही ग्रामीणों द्वारा विशेष व्यवस्था की जाती है। पूरे नवरात्र माता रानी के जयघोष से पूरा इलाका गुंजायमान रहता है।

## सिविल सर्जन ने प्राइवेट नर्सिंग होम्स के संचालकों के साथ की बैठक

# डेंगू के लक्षण वाले सभी मरीजों को सदर अस्पताल किया जाए रेफरः सिविल सर्जन

- डेंगू के बचाव को लेकर लोगों को जागरूक करने का दिया निर्देश

**केटी न्यूज/बक्सर**

जिले में बारिश का मौसम लगभग खत्म हो चुका है। लेकिन अभी भी डेंगू की संभावना खत्म नहीं हुई है। जिसको लेकर डेंगू व मलेरिया जैसे मच्छर जनित रोगों के प्रकोप से सभी को चिंताजनक परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इनसे निपटने के लिए अलर्ट मोड में है। लेकिन विभाग की एक तरफा मुहिम तब तक कारगर नहीं हो सकती जब तक समुदाय भी डेंगू के लक्षणों और इससे बचाव के प्रति जागरूक और सतर्क न हो जाये। फिलवक्त डेंगू व मलेरिया प्रसार का मुख्य कारण है बरसात के बाद होना वाला जलजमाव। जिसमें मच्छरों के पनपने के लिए माकूल माहौल मिल जाता है। ऐसे में डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक करने और डेंगू के इलाज को लेकर सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद सिन्हा ने प्राइवेट नर्सिंग होम्स के संचालकों के साथ बैठक की। जिसमें एसीएमओ ने जिले के

सदर अस्पताल में डेंगू मरीजों के इलाज की व्यवस्था की जानकारी दी।

**सदर अस्पताल में है इलाज की सारी व्यवस्था :** बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने नर्सिंग होम संचालकों को बताया कि डेंगू मरीजों का सदर अस्पातल में निःशुल्क इलाज किया जाता है। पिछले दो माह में डेंगू से ग्रसित 41 मरीजों का इलाज किया गया और उन्हें घर भेजा गया। उन्होंने सभी नर्सिंग होम के संचालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी मरीज यदि डेंगू के लक्षणों के साथ उनके पास आता है तो उसे सदर अस्पताल तत्काल रेफर करें। ताकि, चिकित्सकों की टीम की निगरानी में उनका इलाज ससमय किया जा सके। साथ ही, इस कदम से डेंगू से होने वाली मौतों की रोकथाम की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सभी नर्सिंग होम्स में डेंगू और अन्य मच्छर जनित रोगों की जांच, इलाज और से संबंधित जानकारी वाला पोस्टर लगाएं। ताकि, लोगों को जागरूक किया जा सके।

### डेंगू से बचाव के लिए साफ सफाई एवं जागरूकता जरूरी

जिला वेक्टर जनित रोग सलाहकार राजीव कुमार ने कहा कि डेंगू मच्छर जनित रोग है, जो एक गंभीर बीमारी की श्रेणी में आता है। डेंगू से बचाव के लिए लोगों को साफ- सफाई एवं जागरूकता जरूरी है। फिलहाल जिले के कुछ प्रखंडों में डेंगू के मामले ज्यादा आए। जिस पर नियंत्रण कर लिया गया है। इसलिए डेंगू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। इसके लिए सभी प्रखंडों में व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया गया है। वहीं, अब स्वास्थ्य विभाग के इस अभियान में सभी नर्सिंग होम्स का सहयोग अपेक्षित है। जिले के सभी पंचायतों और वार्डों में मच्छर रोधी दवा का छिड़काव किया जा रहा है। अस्पतालों में डेंगू वार्ड बनाये गए हैं ताकि डेंगू के मरीजों का समुचित उपचार किया जा सके। डेंगू के मच्छर खासकर इसी मौसम में ज्यादा पनपते हैं और दिन के समय काटते हैं। जिससे बचाव की जानकारी आप सभी भी अपने क्लिनिक में आने वाले लोगों को दें।

# सफलता मिलने पर कभी अहंकारी न बनें : चेयरमैन

**केटी न्यूज/जहानाबाद**

बभना स्थित मानस विद्यालय सभागार में सीबीएसई दिल्ली के द्वारा प्रायोजित शिक्षक एवं छात्रों के उन्नयन के लिए एक वर्कशॉप का अयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन चेयरमैन डॉ नवल किशोर, निदेशक अभिषेक आनंद ने एवं ट्रेनर सुधीर झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। निदेशक अभिषेक आनंद ने आगत अतिथि का स्वागत अंगवस्त्र देकर किया तत्पश्चात प्राचार्य अजय कुमार ने ट्रेनर सुधीर झा को गुलदस्ता भेट किया।

इस अवसर पर चेयरमैन डॉ नवल किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि आप सफलता को गंभीरता से लेते हैं तो ये आपके पतन की शुरूआत है। अपनी कामयाबी में बहे मत। कभी वह इंसान बनने की कोशिश ना करें जो आप नहीं है। अगर आप खुद को और सफलता को गंभीरता से लेने लग जायेंगे तो अहंकार बढ़ने की संभावना होती है। सफलता मिलने पर अहंकारी न बनें। उक्त बातें मानस विद्यालय के सभागार में सीबीएसई द्वारा प्रायोजित शिक्षकों के उन्नयन प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते चेयरमैन डॉ नवल किशोर ने कहीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि यदि किसी चीज को समझ सकते हैं तो कर भी सकते हैं। यह दुखद है कि हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां शारीरिक साहस तो आम है, लेकिन नैतिक साहस की बहुत जायदा कमी है। दुनिया में हर चीज बदलती है, पत्थर भी बदलते हैं। खुश रहना हमेशा एक विकल्प होता है और आपको बच्चों में खुशी चुनने की प्रैक्टिस लगातार करवानी होगी। आज के परिवेश में यह सबों के लिए एक चुनौती है जिसका सामना डट कर करना होगा। यह ट्रेनिंग का भी उद्देश्य यही है। सीबीएसई द्वारा चयनित ट्रेनर श्री सुधीर झा ने बताया कि अपनी छमताओ पर लगातार भरोसा करे और आशंकाओं से डरना छोड़ देना चाहिए। मौके पर प्राचार्य अजय कुमार, शिक्षक राम कुमार, शशि कुमार, लवकुश कुमार, प्रभात रंजन, दीपक कुमार, शशांक रंजन, रामजी कुमार, नागेंद्र कुमार, अमृता कुमारी, मनीषा कुमारी, सुषमा कुमारी इत्यादि भी ट्रेनिंग का हिस्सा रहें।

# चोरी की दो बाइक के साथ 3 धराए गिरोह के उद्भेदन में जुटी पुलिस

**केटी न्यूज/चौगाईं**

- बाइक चेकिंग अभियान के दौरान मुरार पुलिस को मिली सफलता

मुरार पुलिस को वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी है। बुधवार को चौगाई बगेन मुख्य पथ पर वाहन चेकिंग कर रही पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में यह साफ हो गया है कि दोनों बाइक चोरी की है। इसके बाद पुलिस उनसे पूछताछ कर पूरे गिरोह को गिरफ्त में लेने के प्रयास में जुट गई है।

बता दें कि दो महीना पहले भी मुरार पुलिस ने चोरी की एक बाइक के साथ एक किशोर को पकड़ा था। जिसके बाद बक्सर, भोजपुर तथा रोहतास जिले के अलग अलग जगहों से कुल तीन बाइक चोर पकड़े गए थे तथा उनकी निशानदेही पर तीन बाइकें भी जब्त हुई थी। वही एक बार फिर से मुरार पुलिस एक बड़े बाइक चोर गिरोह को पकड़ने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी है। पकड़े गए युवकों ने पुलिस को गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी दी है। जिसके बाद पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार चोरों की शिनाख्त बगेन थाना क्षेत्र के कैथी गांव निवासी श्रीनाथ सिंह के पुत्र विकास कुमार व इसी थाना क्षेत्र के पीपराढ़ गांव निवासी मंगरू प्रसाद के पुत्र दीपू कुमार तथा ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर के हीरालाल गोंड के पुत्र सुनील गोंड शामिल है। थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद ने बताया कि बाइक चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार होकर विकास तथा दीपू जा रहे थे जबकि दूसरी बाइक को सुनील चला रहा था। पुलिस को देखते ही वे भागने का प्रयास किए, जिसके बाद पुलिस टीम ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि पूछताछ में किसी ने बाइक की कागजात प्रस्तुत नहीं की और स्वीकार किया कि बाइक चोरी की है।

# अपर मुख्य सचिव के आदेशों को दरकिनार कर विभाग नहीं कर रहा प्रोन्नतिः अरूण

**केटी न्यूज/बक्सर**

- प्रधानाध्यापक की प्रोन्नति की मांगों को ले शिक्षकों का धरना जारी

स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों का धरना- प्रदर्शन दूसरे दिन बुधवार को भी बाजार समिति रोड स्थित गृहे रक्षावहिनी परिसर में आयोजिते हुआ। जिसकी अध्यक्षता अवकाश प्राप्त स्नातक प्रशिक्षित शिक्षके यतीन्द्रे कुमार चौबे एवं संचालन अरुण कुमार सिंह ने की। सभी वक्ताओं ने जिला को प्रधानाध्यापक विहीन होने परे दुःखे व्यक्ते किया।

साथ ही कहा कि शिक्षा विभाग के निदेशक प्राथमिक शिक्षा के आदेश के बावजूद स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों को प्रधानाध्यापक में जो प्रोन्नति 10 अक्टूबर तक हो जानी चाहिये थी वह आजतक नहीं हो सकी। शिक्षकों ने बताया कि अभीं भी प्रोन्नति को लटकाने का हथकंडा जिला के शिक्षा विभाग द्वारा अपनाया जा रहो है। श्री चौबे ने बताया कि बिहार के लगभग प्रत्येक जिला में विभाग के आदेश के आलोक में प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति हो चुकी है। बक्सर में सुगबुगाहट तक नहीं है। अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग का आदेश व निर्देश का पालन प्रत्येक जिले में बखूबी हो रहो है। पर बक्सर जिला ज्यों की त्यों अपनी जगह पर शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति नहीं देने की कसम खा चुको है। स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों ने प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति का पत्र निकलने तक धरना- प्रदर्शन पर अड़े रहने की बाते कही। मौके परे अखिलेश्वरे कुमार चौबे, संजीव तिवारी, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, बिजेंद्र कुमार, सुधांशु कुमार सिंह, जयप्रकाश, विजय नारायण, अशोक कुमार पांडेय, अभिनीत सिन्हा, सुशील कुमार श्रीवास्तव, शिव जी मिश्र, अरबिंद कुमार, बैद्यनाथ सिंह, संतोष कुमार, मुकेश कुमार सिंह, प्रभाते चन्द्रे राम, रविन्द्र

## विजयादशमी महोत्सव में 12वें दिन मंचित कृष्ण लीला के दौरान वीर अभिमन्यु प्रसंग का हुआ मंचन

# माता के गर्भ में ही चक्रव्यूह भेदने का अभिमन्यु को मिला ज्ञान

**केटी न्यूज/बक्सर**

रामलीला मंच पर चल रहे विजयादशमी महोत्सव में 12वें दिन बुधवार को दिन में मंचित कृष्ण लीला के दौरान वीर अभिमन्यु प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि अर्जुन अपनी पत्नी सुभद्रा को चक्रव्यूह रचना के बारे में बता रहे होते हैं। इस दौरान अभिमन्यु उस समय सुभद्रा के गर्भ में होते है। वह व्यूह रचना में अंदर प्रवेश करने की बात को गर्भ में रहते हुए जान लेते हैं। पर सुभद्रा के बीच में ही निद्रामग्न होने से वे व्यूह से बाहर आने की विधि नहीं सुन पाते है।

पांडवों को पराजित करने में असफल होने के बाद, कौरवों ने युधिष्ठर को जीवित पकड़ने के लिए

चक्रव्यूह की रचना कर साजिश रचते है। अर्जुन को युद्ध के मैदान से दूर भगाने के बाद वो चक्रव्यूह का सैन्य निर्माण करते हैं। अर्जुन, कृष्ण, भीष्म और द्रोण को छोड़कर युद्ध के मैदान में अन्य किसी को भी इसका पूरा ज्ञान नहीं होता है। उस वक्त अभिमन्यु 16 वर्ष की आयु में इस द्वंद्व युद्ध में आते हैं और देखते ही देखते सात में से छह द्वार भेद डाल देते है। जहां जयद्रथ अन्य पांडवों को व्यूह में प्रवेश करने से रोक देता है। इसी का लाभ उठा कर व्यूह के अंतिम चरण में कौरव पक्ष के सभी महारथी युद्ध नीतियों को तोड़कर छल और अधर्म से अभिमन्यु की हत्या कर देते हैं। जिसके बाद अभिमन्यु की मृत्यु का प्रतिशोध लेने के लिये अर्जुन ने जयद्रथ के वध की शपथ ली।

**बहन का बदला लेने के लिए रावण ने किया सीता का हरण:** वहीं रामलीला मंडल के स्वामी श्री करतार बृजवासी के सफल निर्देशन में देर रात्रि मंचित रामलीला के दौरान सूर्पनखा नासिका भंग एवं सीता हरण प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि जयंत पर कृपा करने के पश्चात श्री राम चित्रकूट से आगे चल पड़ते है।

आगे बढ़ने पर अत्रि ऋषि के आश्रम पहुंचते हैं जहां पर अनसूईया जी मिलती है जो सीता जी को स्त्री धर्म का उपदेश देती है। उससे आगे चलने पर सरभंग ऋषि मिलते हैं श्रीराम उनका उद्धार करते हुए आगे बढ़ते हुए मार्ग में अगस्त ऋषि का मार्गदर्शन लेकर पंचवटी के समीप पहुंच जाते हैं। जहां पर श्री राम जी लक्ष्मण जी को सुंदर उपदेश देते हैं। इसी समय रावण की बहन सूर्पनखा पंचवटी पर घूमते हुए पहुंचती है, और दोनों भाइयों के सौंदर्य को देखकर मोहित हो जाती है। वह अपना सुंदर सा रूप बनाकर श्री राम और लक्ष्मण के समीप जाकर विवाह करने का प्रस्ताव देती है। दोनों भाइयों के मना करने पर वह जिद पर अड़ जाती है. तब लक्ष्मण जी सूर्पनखा के नाक का वध कर देते हैं। नाक कट जाने पर सूर्पनखा विलाप करते हुए खरदूषण व त्रीसरा के पास जाती है। श्री राम उनका भी बध कर देते हैं। यह देख भयभीत होकर सूर्पनखा अपने भाई रावण के पास पहुंचती है। रावण मारीज को साथ लेकर जाता है मारीच सोने का मृग बनकर श्री राम को भटकाते हुए वनों में दूर तक ले जाता है। इधर रावण ब्राह्मण का वेश धारण कर छल से सीता जी का हरण कर लेता है।

# मिलेट्स पर काम करने वाले किसानों का सम्मान करेगी योगी सरकार

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

योगी सरकार श्रीअन्न (मिलेट्स) पर काम करने वाले किसानों का सम्मान करेगी। योगी सरकार मिलेट्स वर्ष के अंतर्गत किसानों को प्रोत्साहित भी कर रही है।

❐ 27 से 29 अक्टूबर तक चलेगा श्रीअन्न महोत्सव

इसी क्रम में कृषि कुंभ 2.0 के पूर्व 27 से 29 अक्टूबर तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय श्री अन्न महोत्सव व राज्य स्तरीय मिलेट्स कार्यशाला होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ इसका शुभारंभ करेंगे। पहले दिन छह मंडल, दूसरे दिन पांच मंडल व तीसरे दिन सात मंडल के किसान इसमें हिस्सा लेंगे। साथ ही इसमें कृषि विश्वविद्यालयों व दो कॉलेज के शिक्षक-बच्चे भी हिस्सा लेंगे।

## हर जनपद से 50 प्रगतिशील किसान लेंगे हिस्सा

त्रिदिवसीय महोत्सव के जरिए योगी सरकार प्रगतिशील किसानों को जहां सम्मानित करेगी, वहीं मिलेट्स उत्पादों के लिए अन्य किसानों को प्रेरित भी करेगी। सरकार महोत्सव के माध्यम से मिलेट्स फसलों के उत्पादन, उपभोग, विपणन, निर्यात आदि के बारे में भी जागरूक करेगी। सम्मेलन में हर मंडल के प्रत्येक जनपद से 50 प्रगतिशील किसान, कृषक उत्पादक संगठन के 10 प्रतिनिधि व 10 प्राविधिक सहायक हिस्सा लेंगे।

## तारीख व प्रतिभागी मंडल के किसान

27 अक्टूबर: लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, बस्ती, आजमगढ़ व देवीपाटन मंडल
28 अक्टूबर: सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, आगरा व मुरादाबाद
29 अक्टूबर: गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, झांसी, चित्रकूट, प्रयागराज व मीरजापुर

## 35 एफपीओ को सीड मनी के लिए दिया जाएगा प्रमाणपत्र

राज्य स्तरीय कार्यशाला में 35 एफपीओ को सीड मनी के लिए प्रमाण पत्र दिया जाएगा। सीएम हर एफपीओ को प्रति इकाई 4 लाख रुपये प्रदान करेंगे। साथ ही मिलेट्स आधारित प्रसंस्करण संयंत्र लगाने वाली सरकारी संस्थाओं को भी अनुदान राशि दी जाएगी। यहां श्रीअन्न के उत्पादों के 40 स्टॉल भी लगेंगे। इसमें एफपीओ, प्रतिभागी व मिलेट्स पर काम करने वाली कंपनियों के स्टॉल लगेंगे। इसके जरिए लोग मिलेट्स उत्पादों के फायदों से भी अवगत होंगे।

## नए एडीएम ने किया कार्यभार ग्रहण

केटी न्यूज/मऊ

जनपद के नए अपर जिला अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया। अपर जिलाधिकारी सत्य प्रिय सिंह 2014 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। सत्य प्रिय सिंह जौनपुर, शाहजहांपुर, गाजीपुर व उन्नाव में उप जिलाधिकारी के पद पर कार्य कर चुके हैं। मऊ में अपर जिलाधिकारी पद पर तैनाती के पूर्व वे प्रयागराज में नगर मजिस्ट्रेट के पद कार्यरत थे। प्रयागराज से मऊ में अपर जिलाधिकारी के पद पर 17 अक्टूबर को उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया। ज्ञातव है कि पूर्व में तैनात अपर जिला अधिकारी श्री भानु प्रताप सिंह 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए थे, तब से जनपद में अपर जिला अधिकारी का पद खाली था।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 में डिप्टी एसपी के पद पर भी कार्यरत रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार राजस्व से संबंधित मामलों का निस्तारण एवं शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

## खबरें फटाफट

### पिकअप के धक्के से वृद्ध महिला की मौत

**बलिया।** गड़वार थाना क्षेत्र के रामपुर असली गांव में बुधवार की सुबह दस बजे पिकअप के धक्के से एक वृद्ध महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आपको बताते चले कि रामपुर असली गांव निवासी सोनिया देवी 70 वर्ष पत्नी दिलदार राम बुधवार को सड़क के रास्ते कहीं जा रही थी। इसी बीच पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें कुचल दिया। जिससे सोनिया देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी। वहीं घटना के बाद पिकअप चालक वाहन समेत फरार हो गया। ग्रामीणों व राहगीरों की मदद से उन्हें एम्बुलेंस द्वारा घायल सोनिया देवी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### मनियर में गांजा के साथ किया गिरफ्तार

**बलिया।** मनियर थाना पुलिस ने बुधवार को दोपहर एक बजे नौका बाबा गेट से गंगापुर की तरफ पोखरे के पास एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इसके पास से एक किलो नौ सौ ग्राम गांजा बरामद किया। जिसे संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के लिए चालान कर दिया। आपको बताते चले कि मन्तोष सिंह अपने हमराह हेड कांस्टेबल जितेन्द्र यादव, कांस्टेबल महेन्द्र कुमार, संजीवन लाल के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच उन्हें मुखबीर सूचना मिली कि नौका बाबा गेट से गंगापुर की तरफ पोखरे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति झोल के खड़ा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम व पता गुड्डू राजभर पुत्र लक्ष्मण राजभर उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड नं 06 इन्दरपुर कस्बा मनियर बताया। झोले की तलाशी के दौरान उसके पास से एक किलो नौ सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के लिए चालान कर दिया।

### फाइनेंस कंपनी के कैशियर ने समूह की महिलाओं का गबन किया 15 .96 लाख

**बलिया।** बेल्थरारोड नगर के मंत्री जी गली में किराए के मकान में अस्थाई रूप से संचालित एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने ही समूह की महिलाओं का करीब 15 लाख 96 हजार रुपया गबन कर लिया। मामले में भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड कंपनी के तत्कालीन शाखा प्रबंधक राजकुमार श्रीवास्तव के लिखित तहरीर पर तत्कालीन कैशियर संजीव यादव और फील्ड ऑफिसर अजीत वर्मा पर गबन का नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। फाइनेंस कंपनी के तत्कालीन कैशियर पर कुल 14 लाख 24 हजार 67 रुपया और तत्कालीन फील्ड ऑफिसर अजीत वर्मा पर एक लाख 72 हजार 178 रुपया गबन का मामला प्रकाश में आया है। फाइनेंशियल कंपनी के तत्कालीन शाखा प्रबंधक राजकुमार श्रीवास्तव के तहरीर पर उभांव थाना पुलिस ने बलिया न्यायालय के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया है।

किसान दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रमें शामिल हुए बलिया डीएम, बोले..

# जनपद के किसानों की समस्याओं का जल्द से जल्द करें निस्तारण

केटी न्यूज/बलिया

किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि भवन सभागार में किसान दिवस की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की शिकायतों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उसका शीघ्र निस्तारण किया जाए। खासकर कृषि, सिंचाई व बिजली विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से किसान भाइयों की बातों का ख्याल रखने को कहा।

इस अवसर पर किसानों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। कुछ किसानों ने सरकारी ट्यूबेल का ट्रांसफार्मर और मोटर जलने की वजह से सिंचाई कार्य बाधित हो रहा है, इसका कारण बिजली विभाग को बताते हुए तत्काल निदान कराने की अपील की। इस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द इस समस्या का निस्तारण करें। हिदायत भी दिया कि किसानों की समस्या के समाधान करने में अगर लापरवाही सामने आई तो कार्रवाई तय है।

किसानों ने डीएपी और यूरिया एवं रबी सीजन के बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी से अनुरोध किया, इस पर जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी और सहकारी समिति के अधिकारियों से शासन से मांग पत्र जारी कर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक और बीज उपलब्धता के निर्देश दिए, ताकि रबी सीजन में किल्लत से बचा जा सके। साथ ही कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

किसानों ने जिलाधिकारी से केसीसी लोन की सीमा बढ़ाए जाने और मोटे अनाजों की बिक्री के लिए मोबाइल वैन की सुविधा के लिए अनुरोध किया, इस पर जिलाधिकारी ने शासन स्तर से पहल कर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने किसानों से कहा कि आप अपने फसल धान, मक्का और बाजरे को बेचने के लिए सरकार द्वारा खोले गए क्रय केंद्र पर ही लाकर बेचे, जिससे आप किसान भाइयों को फसलों का उचित मूल्य मिल सके।

## समिति बना सात दिन में निस्तारण करें

किसानों ने जिलाधिकारी को जनपद में कुछ स्थानों पर लो वोल्टेज, जर्जर तार, पैसा जमा है और मीटर न लगने की समस्या एवं फीडर की जैसी समस्याओं से अवगत कराया। इस पर जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता से तत्काल इस व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिये। एक किसान ने कहा कि बहुत पहले उसने बिजली का कनेक्शन को निरस्त करवाया था फिर भी बिजली का बिल आ रहा है, इस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को समिति बनाकर एक सप्ताह में मामले के निस्तारण करने के निर्देश दिए।

# मऊ की सभी नगरीय स्वास्थ्य केन्द्रों को कायाकल्प अवार्ड जीतना है : डॉ नंदकुमार

केटी न्यूज/मऊ

मिशन कायाकल्प पर कार्यशाला राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम ) के तहत जनपद में मिशन कायाकल्प अवार्ड योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन पुरानी तहसील स्थित एक स्थानीय होटल आरएस पैलेस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नंदकुमार की अध्यक्षता में किया गया। सीएमओ ने मिशन कार्यक्रम के लिए जनपद को चार जोन में बांटने की बात कही साथ ही हर जोन का एक इंचार्ज जिसमें कि एसीएमओ स्तर का होगा और उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन के तहत यूपी मे कायाकल्प योजना के तहत सभी राजकीय चिकित्सालयों एवम स्वास्थ केन्द्रों में कायाकल्प योजना के तहत अस्पताल परिसर में भीतर और व बाहर सफाई, हाइजीन और संक्रमण की रोकथाम पर फोकस किया जाना है।

उन्होंने कहा कि अगर मऊ की सभी नगरीय स्वास्थ केन्द्रों को कायाकल्प अवार्ड जीतना है। इसके लिए स्वास्थ केन्द्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं वहां की टीम, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई और जिला क्वालिटी एश्योरेंस सेल को सम्मिलित प्रयास करना होगा, जिससे यह सफलता हासिल हो सके।

# पुलिस ने पैदल गश्त से और मजबूत की कानून व्यवस्था

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

माफिया, अपराधियों और अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम कर रही योगी सरकार की पुलिस की पैदल गश्त ने प्रदेश में शांति बनाये रखने में अहम भूमिका निभायी है। इतना ही नहीं, अभियान चलाकर पुलिस की पैदल गश्त से संदिग्धों को चिन्हित किया गया, जिनके पास से अवैध असलहे से लेकर अवैध शराब तक बरामद हुई है। पिछले छह माह (अप्रैल से लेकर सितंबर) तक पूरे प्रदेश में एसपी, एएसपी, सीओ, थाना प्रभारी/इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल एवं होमगार्ड ने पैदल गश्त के जरिये 38,93,386 स्थानों पर चेकिंग की, जबकि 2,09,31,904 संदिग्धों की तलाशी कर 7,86,33 मुकदमे दर्ज किए गए और 8,84,86 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

इस दौरान 17,690 अवैध असलहे और 7,416 अवैध वाहन बरामद किये। वहीं पैदल गश्त में 9,85,186 अवैध शराब बरामद की गयी। इतना ही नहीं अभियान में 15,04,977 मनचले और शोहदों के अभिभावकों को बुलाकर चेतावनी देकर छोड़ा गया जबकि 6,79,534 अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया।

## आठ जोन के 32 लाख से अधिक स्थानों की पुलिस ने की चेकिंग

डीजीपी विजय कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के अनुसार अपराधियों पर नकेल कसने एवं बेटियों को सुरक्षा का अहसास कराने के लिए पुलिस द्वारा पैदल गश्त की जाती है। इसी के तहत पिछले छह माह में दो हिस्सों जोन और कमिश्नरेट स्तर पर पैदल गश्ती का अभियान चलाया गया। प्रदेश के सभी आठ जोन में गश्त के दौरान 32,39,791 स्थानों की चेकिंग की गयी, जिसमें 1,58,71,828 संदिग्धों की तलाशी ली गयी।

## सतीश चंद कालेज के छात्रों ने जेएनसीयू के कुलपति का फूंका पुतला

**बलिया।** सतीश चंद कालेज के छात्रों ने बुधवार को दिन में 1 बजे जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति का पुतला फूंका। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्र–छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। धन उगाही के लिए परीक्षा परिणाम में बेवजह की त्रुटियां दिखाकर उन्हें फेल कर दिया जा रहा है। आपको बताते चले कि पूर्वांचल छात्र संघर्ष समिति के आह्वान पर सतीश चंद कालेज में सुजीत तिवारी और राकेश पांडेय क्रमिक अनशन पर बैठे है। क्रमिक अनशन के दूसरे दिन नाराज छात्रों ने कालेज के बाहर जेएनसीयू के कुलपति का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। छात्र नेता विपुल राय ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्र–छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जो छात्र–छात्राए समस्त परीक्षा दिए है उन्हें भी अनुपस्थित कर दिया गया है।

## बीईओ ने आधा दर्जन विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

केटी न्यूज/बलिया

हनुमानगंज शिक्षा क्षेत्र के खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश कुमार मिश्र ने बुधवार को दिन मे दो बजे बिना मान्यता संचालित हो रहे आधा दर्जन स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही के लिए बीएसए मनीष कुमार सिंह को पत्र प्रेषित किया है। खण्ड शिक्षा अधिकारी के एक्शन से अवैध स्कूल संचालकों में खलबली मच गयी है।

आपको बताते चले कि खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश कुमार मिश्र ने विभिन्न पत्रों का हवाला देते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह को पत्र लिखा है। अवगत कराया है कि विकास खण्ड हनुमानगंज में निरीक्षण के दौरान आधा दर्जन स्कूल बिना मान्यता के संचालित होते हुए पाये गये। सम्बंधित विद्यालयों को बंद किये जाने के लिए बार-बार निर्देशित दिये जाने के बावजूद अभी भी संचालन किया जा रहा है। वहीं बिना मान्यता वाले स्कूल बिना मानक के चल रहे है। लोगों से मिल रही शिकायत बाद स्कूलों का निरीक्षण किया गया। जिसमें आधा दर्जन स्कूल बिना मान्यता के संचालित होना मिला है। उन्होंने बीएसए से इन स्कूलों पर काईवाई की मांगी है। खण्ड शिक्षा अधिकारी के एक्शन से अवैध स्कूल संचालकों में खलबली मच गयी है।

## सरस्वती शिशु मंदिर रतनपुरा का जलवा कायम

**मऊ।** विद्या भारती द्वारा 34वां क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक सरस्वती कुजं निरालानगर में आयोजित है। इसका उदघाट्न उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक जी के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में पुर्वी उत्तर प्रदेश के कुल 50 जनपदों के लगभग दो हजार भैया बहन पचास विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कर रहे है। इस प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर रतनपुरा के 10 भैया बहन गोरक्ष प्रांत की तरफ से प्रतिभाग कर रहे है। अब तक हुए प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मन्दिर के भैया आदित्य कुमार ने लम्बी कूद प्रतियोगिता में तथा सोनाली शर्मा ने ऊँची कुद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन किया। अनुज चक्रवर्ती ने गोला फेक प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सोनू कश्यप व प्रबंधक परशुराम सिंह ने बच्चों की इस सफलता पर उनको बधाई दी।

जिला आयुष समिति एवं जिला प्रवर्तन समिति की बैठक संपन्न

# हर्बल गार्डन का जल्द करें निर्माण: जिलाधिकारी

- जर्जर एवं किराए के मकान में संचालित अस्पतालों हेतु भूमि का चयन कर शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने के दिए निर्देश

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी अरुण कुमार के अध्यक्षता में जिला आयुष समिति एवं जिला प्रवर्तन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान क्षेत्रीय यूनानी अधिकारी ने बताया कि जिला आयुष समिति द्वारा जनपद में संचालित 10 आयुर्वेदिक अस्पतालों में हर्बल गार्डन का निर्माण किया जाना है जिसके लिए 20000 निर्धारित है। उक्त धनराशि द्वारा अभी तक निर्धारित अस्पतालों में हर्बल गार्डन निर्मित ना होने पर जिलाधिकारी ने यथाशीघ्र हर्बल गार्डन के निर्माण के निर्देश दिए। योग वैलनेस सेंटर हेतु अभी तक जहां पर योग प्रशिक्षक एवं योग सहायक तैनात नहीं हुए हैं, वहां समस्त आवश्यक कार्यवाहियां करते हुए नियमानुसार तत्काल नियुक्ति करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। जनपद में 50 शैय्यायुक्त एकीकृत आयुष चिकित्सालय हेतु शहर मुख्यालय से 8 किलोमीटर के दायरे में अभी तक भूमि की उपलब्धता न हो होने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर से समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र ही जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित कर प्रस्ताव मिशन निदेशक आयुष मिशन को प्रेषित करने को कहा। जनपद में योग एवं आयुष विधा को अधिकाधिक जन सुलभ बनाने हेतु जिलाधिकारी ने रिक्तियों के सापेक्ष योग प्रशिक्षक पुरुष एवं महिला का नियमानुसार यथाशीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश दिए। जिला प्रवर्तन समिति के कार्यों की समीक्षा के दौरान क्षेत्रीय यूनानी अधिकारी ने बताया कि मिलावटी एवं प्रतिबंधित दवाइयो के रोकथाम हेतु 25 नमूने लेने के सापेक्ष अब तक 10 नमूने लिए गए हैं ,जो जांच हेतु प्रेषित कर दिए गए हैं।

## खबरें फटाफट

### दिव्यांग बोर्ड का आयोजन 25 को

**चंदौली।** मुख्य चिकित्सा अधिकारी वाई के राय ने बताया कि दिव्यांगजन हेतु माह के प्रत्येक सोमवार को दिव्यांग बोर्ड का आयोजन किया जाता है। 23 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण दिव्यांग बोर्ड का आयोजन 25 अक्टूबर को प्रात:10.00 बजे से मातृ एवं शिशु चिकित्सालय एमसीएच विंग में किया जायेगा।

### मिशन शक्ति 4.0 के तहत छात्राओं को दी गई जानकारी

**चंदौली।** पंडित कमलापति त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को मिशन शक्ति 4.0 अंतर्गत बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में जानकारी प्रदान किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो पंकज कुमार झा, डा.पवन गुप्ता, डा.सोमना मुखर्जी, डा.सुकृति मिश्रा, महिला कल्याण अधिकारी दीक्षा अग्रहरि, बाल संरक्षण अधिकारी किशन वर्मा, जिला समन्वयक रंजना, एंटी रोमियो टीम से नैन्सी सोनकर मौजूद रहीं। इस दौरान छात्राओं को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया।

### स्किल इंडिया योगा कोर्स की शुरूआत एक नवंबर से

**पीडीडीयू नगर।** स्किल इंडिया योजना के तहत केंद्रीय विद्यालय परिसर में आगामी 1 नवंबर से असिस्टेंट योगा इंस्ट्रक्टर कोर्स की शुरूआत होने जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य के के भारती ने बताया कि उक्त कोर्स स्किल इंडिया योजना के तहत चलाया जाएगा। जो 3 महीने का होगा। कोर्स की शुरूआत एक नवम्बर से होगी। कोर्स के समाप्ति पर अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया जाएगा। जिसके बाद सहायक योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में अपना करियर भी संवार सकते हैं। फॉर्म भरकर जमा करने की अंतिम तारीख 27 अक्टूबर है। फॉर्म विद्यालय रिसेप्शन से सुबह 9 बजे से 1 बजे तक कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

### ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

**चंदौली।** थाना क्षेत्र के सरेसर रेलवे यार्ड में बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से 70 वर्षीय अज्ञात वृद्ध की मौत हो गई। ।पुलिस ने शव को कब्जे में पहचान के लिए मर्चरी में रखवा दिया। अलीनगर थाना क्षेत्र के सरेसर गांव के समीप रेलवे यार्ड के अप लाइन में 70 वर्षीय अज्ञात वृद्ध की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पहचान करने का प्रयास किया,लेकिन देर शाम तक पहचान नहीं होने पर पहचान के लिए मर्चरी में रखवा दिया।

### जावेद बने आसपा के जिला प्रभारी

**गाजीपुर।** आजाद समाज पार्टी कांशीराम के वाराणसी मंडल की बैठक जखनियां कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें आजमगढ़ में आसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण के रैली को सफल बनाने पर चर्चा करते हुए आजाद समाज पार्टी के मंडल अध्यक्ष गोरखनाथ बौद्ध ने कहा कि आजाद समाज पार्टी पूरे देश में गरीब गुरबा की लड़ाई लड़ने और उनको अधिकार दिलाने का पूरा प्रयास करती है। इससे आए दिन आम जनता का रुझान पार्टी की और बढ़ रहा है। इस मौके पर उन्होंने जमनिया के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रहे जावेद इकबाल अंसारी को गाजीपुर का प्रभारी बनाया। जावेद के प्रभारी बनाए जाने से गाजीपुर जिला में आजाद समाज पार्टी काशीराम काफी मजबूत हुई है।

# भाग रहे अपराधी को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/गाजीपुर

### मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली, साथी फरार

**चंदौली।** सदर कोतवाली क्षेत्र के नवही गांव के समीप मंगलवार की रात पुलिस और बाइक सवार बदमाशों की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गयी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं रात्रि के अंधेरे का लाभ उठाते हुए एक बदमाश फरार हो गया। घायल बदमाश को पुलिस ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहा उसका इलाज चल रहा है। बताते हैं कि दुर्गावती थाना क्षेत्र के सरैया गांव निवासी 25 हजार का इनमिया कुलदीप यादव 23 वर्ष अपने दोस्त के साथ सैयदराजा में रुका हुआ था। मुखबिर की सूचना पर सैयदराजा पुलिस ने जब घेराबंदी की तो दोनों पुलिस पर फायर करते हुए भागने लगे। थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने तत्काल इसकी जानकारी सदर कोतवाली प्रभारी राजीव सिंह को दी।

थाना गहमर के प्रभारी निरीक्षक को जरिए दूरभाष सूचना मिली कि पाक्सो एक्ट से सम्बंधित पुलिस अभिरक्षा में मौजूद अभियुक्त कृष्णा दुबे पुत्र उमेश दुबे निवासी ग्राम गहमर पट्टी मैगरराय थानां गहमर गाजीपुर की पेट दर्द से तबियत खराब होनें की सूचना पर थाना के द्वितीय मोबाइल से पुलिस फोर्स द्वारा इलाज हेतु भदौरा उल्हउ ले जाते समय रास्ते में भदौरा रेलवे क्रासिंग बन्द होने पर मौके का लाभ उठाकर अभियुक्त द्वारा सिपाही की सरकारी पिस्टल छीन सरकारी वाहन से उतरकर भागनें का प्रयास किया। पुलिस बल द्वारा रोकने और पकड़ने की कोशिश पर अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से पुलिस वालों को लक्ष्य बनाकर दो बार फायरिंग की गई। इस घटना के क्रम में क्रासिंग से आगे प्रभारी निरीक्षक द्वारा सिखलाए गए तरीके से खुद को बचते बचाते व घेराबंदी करते हुए आत्मसुरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की गई। जिसमें अभियुक्त को पैर में गोली लगी। जिससे वह घायल हो गया। जिसे पुनः पुलिस अभिरक्षा में लेते हुए इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उपरोक्त घटना के क्रम में पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

### डीएम ने किया 73वीं जनपद स्तरीय त्रिदिवसीय एथेलिटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

# जीत हार से परे उठकर प्रतिभागी खेल भावना से खेलें : जिलाधिकारी

केटी न्यूज/गाजीपुर

टाउन नेशनल इंटर कालेज के प्रांगण में 73वीं जनपद स्तरीय त्रिदिवसीय एथेलिटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी आर्यका अखौरी द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने गुब्बारा व कबूतर उड़ाकर खेल के शुभारम्भ की घोषणा की। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जीत हार से परे उठकर नियमान्तगत प्रतिभागियों को खेल भावना से युक्त होकर प्रतिभाग करने की सीख दी। इस अवसर विशिष्ट अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व चीफ प्राक्टर एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रो0 अभिमन्यु सिंह ने मार्च पास्ट की सलामी ली। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत जिला विद्यालय निरीक्षक जनपद गाजीपुर डॉ. उदयभान ने किया। यह प्रतियोगिता 18 से 20 अक्टूबर तक चलेगी। जिसमें 14 वर्ष, 17 वर्ष, 19 वर्ष आयु वर्ग में दौड़, बाधा दौड़, लम्बी कूद, उँची कूद, डिस्कस थ्रो, जवेलिन, गोला फेक, पोल वाल्ट, हैमर थ्रो आदि प्रतियोगिताएं हो रही हैं। कार्यक्रम में वित्त व लेखाधिकारी शिव गाजीपुर, जिला खेल संयोजक एवं प्रधानाचार्य राजकीय सिटी इका विजय बहादुर सिंह, पूर्व क्रीड़ा सचिव विजय शंकर राय व अन्य प्रधानाचार्य तथा खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहें। आज की प्रतियोगिता में विद्यालय के क्रीड़ा अध्यापक डॉ. रूद्र यादव ने बताया की 800 मी की 19 वर्ष आयु वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता में ब्यूटी चौहान, सरिता राजभर, निशा कुमारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष की आयु वर्ग में टाउन नेशनल इका सैदपुर की काजल पाल आदि ने प्रतियोगिता में विभिन्न स्थान प्राप्त किए। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कमलेश राम, अमित मिश्र, विजय विक्रम सिंह, संतोष शर्मा, डॉ राम कुमार चतुर्वेदी, डॉ हरिप्रकाश वर्मा, सत्येन्द्र यादव, वैभव निगम, अनिल राम, अमरजीत प्रसाद, राजनारायण राम आदि लोग उपस्थित रहें।

### बैठक कर कारवां को आगे बढ़ाने का लिया निर्णय

**गाजीपुर।** जनपद के स्वच्छाग्राहियों ने बुधवार को स्वच्छाग्राही कर्मचारी महासंघ के लोगों ने एक साथ एकजुट होकर जनपद स्तर पर जिलाध्यक्ष मुनीब राम की देखरेख में बैठक कर कारवां को आगे बढ़ने का निर्णय लिया, जहां सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि अब हम सभी लोग अपने हक अधिकार की लड़ाई लड़ेंगे। इसको लेकर कुछ भी करना होगा, हम लोग अब करने के लिए तैयार हैं। साथ ही स्वच्छाग्रही कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष मुनीब राम ने बताया कि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के वायरल वीडियो के अनुसार खुशी की बात है कि स्वच्छाग्राहियों को न्यूनतम वेतन जारी करने की बात कही जा रही है।

### चेकिंग: 188 बिना टिकट यात्रियों को पकड़ा

**गाजीपुर।** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शेख रहमान के निर्देश पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रशांत कुमार के नेतृत्व में बुधवार को औड़िहार जंक्शन को आधार बनाकर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान वाराणसी सिटी-औड़िहार, औड़िहार-जौनपुर, औड़िहार-मऊ एवं औड़िहार-छपरा रेल खंड पर चलने वाली बनारस-गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस, बलिया- प्रयागराज -रामबाग मेमू एक्सप्रेस, बनारस- भटनी अनारक्षित सवारी गाड़ी, स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, आजमगढ़-वाराणसी सिटी अनारक्षित गाड़ी, छपरी-दुर्ग मेल एक्सप्रेस तथा गोरखपुर- लोकमान्य तिलक टर्मिन्लस सहित विभिन्न गाड़ियों में किलाबंदी कर सघन टिकट चेकिंग की गई। इस टिकट जांच अभियान टीम में सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रशांत कुमार के साथ 17 टिकट जाँच कर्मचारियों एवं रेलवे सुरक्षा बल के आठ जवानों के सहयोग से सघन टिकट जांच किया गया और बिना टिकट यात्रा करने वाले एवं अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों समेत कुल 188 यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे रेल राजस्व के रूप में 57200 रुपये जुमार्ना वसूलने के बाद छोड़ा दिया गया।

## एक नजर

### नमामी गंगे के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को किया जागरुक

**गाजीपुर।** जखनियां ब्लॉक परिसर में ₹जल जीवन मिशन₹ के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने लोगों जागरूक किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी त्रिवेणी राम ने कहा कि जल ही जीवन है। इसका दोहन कदापि नहीं करना चाहिए। सरकार की तरफ से गांव -गांव में जल शक्ति के तहत महिलाएं सैंपल से हैंडपंपों की जांच कर बताएंगी जल पीने योग्य है या नहीं ! अगर जल पीने योग्य नहीं है। उस जल को न पीएं साथ ही गांव को स्वच्छ बनाने के लिए हर लोग जागरूक होकर भागीदारी कर अपने आसपास रखे गंदा पानी की साफ सफाई करें। इस मौके पर एडीओ पंचायत राजकमल गौरव, फैज अहमद, हरिकेश यादव, सिकानु राम, नवीन श्रीवास्तव, नंदलाल गुप्ता, अजीत सिंह, रामप्रवेश यादव, हरिद्वार कुमार, हरेंद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

### ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया एक से बढ़कर एक रोमांचक खेल

**गाजीपुर।** जखनियां ब्लॉक संसाधन केंद्र के प्राथमिक विद्यालय परिसर में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखंड के सभी एनपीआरसी की टीमों ने प्रतिभाग किया। कबड्डी प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर बालक -बालिका व उच्च प्राथमिक स्तर बालकों के प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षाधिकारी निलेर्दु चौधरी जखनियां ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। देखा जाए तो ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों ने कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें प्राथमिक वर्ग बालक में लेदिहा फस्ट तथा चकफातमा सेकेंड और बालिका वर्ग में लेदिहा फस्ट, प्रदुमपुर सेकेंड और उच्च प्राथमिक वर्ग बालक शाहबपुर फस्ट, बड़ागांव सेकेंड तथा बालिका वर्ग में शाहबपुर फस्ट, बड़ागांव सेकेंड विजेता घोषित हुए। जीते हुए खिलाड़ियों को खंड शिक्षाधिकारी निर्लेदु चौधरी ने मोमेंटो और मेडल देकर सम्मानित किया।खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता से बच्चों के भविष्य में निखार आता है। इसके लिए सरकार ऐसे प्रतियोगिता पर विशेष ध्यान दे रही है। इस मौके पर हरेंद्र यादव, परमानंद चौहान, राधेश्याम यादव, रामजन्म यादव, रामबच्चन यादव, दिलीप पांडेय, अजीत सिंह, गोरख नाथ बौद्ध, हेमंत सिंह सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

### नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के तहत लोस चुनाव-2024 के लिए फूंका बिगुल

**गाजीपुर।** सेवराई तहसील क्षेत्र के एक निजी मैरिज हॉल में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक सुनीता सिंह के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष वाराणसी पूनम मौर्या एवं जमानिया विधायक सुनीता सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की गई। सभा को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम व्यापक विजन वाला कानून है। इस कानून की ताकत से परिवार से लेकर समाज तक हर स्तर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। हमें ऐसा समाज तैयार करना है। जिसमें नारी को आगे बढ़ाने के लिए किसी के सहयोग की जरूरत ना पड़े। कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा महिलाओं के हित को देखते हुए नई वंदना कानून लाकर उन्हें और मजबूत किया गया है। अब हमारा फर्ज है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भी हम प्रधानमंत्री के हाथों को मजबूत करते हुए उन्हें आगे बढ़ाएं। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता परीक्षित सिंह, पूर्व ग्राम प्रधान मुरली कुशवाहा, जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष साधना राय, सरोज कुशवाहा, अंशु सिंह, माया सिंह, किरन सिंह, इतवारी राजभर, कृष्ण बिहारी राय (पूर्व जिलाध्यक्ष), कंचन गीरी, धर्मेंद्र कुशवाहा, बेचन कुशवाहा, महफूज खान,मीडिया प्रभारी अरुण जायसवाल, अमित सिंह, सुजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

### वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य पाने के लिए रखना होगा पॉजिटिव एप्रोच -वित्त मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश को 2027 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के लिए संकल्पित है और उस दिशा में तेजी से प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप क्या होना चाहिए, किन चीजों पर अत्यधिक फोकस करने की आवश्यकता है और चुनौतियां क्या हैं, इन्हीं सब मुद्दों को लेकर बुधवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा संघ व एसबीआई द्वारा वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के रूप में उत्तर प्रदेशः संभावना, चुनौतियां तथा वित्त विभाग एवं एसबीआई की भूमिका विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि और योगी सरकार में वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार का मानना है कि यदि बैंक और फाइनेंस से जुड़े अफसरों का एटीट्यूड हेल्पिंग हो, एप्रोच पॉजिटिव हो, काम में क्वालिटी और टेक्नोलॉजी का समावेश हो तो कोई वजह नहीं है कि उत्तर प्रदेश इस बड़े लक्ष्य को हासिल न कर सके। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि आज के काम को कल पर कतई मत टालिए। काम की क्वालिटी और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल का उदाहरण हमें जापान से सीखना होगा। वहां के लोग जितनी ऑनेस्टी और सिंसियरिटी के साथ अपने काम को अंजाम देते हैं, यदि हम भी ऐसा करेंगे तो कोई लक्ष्य बड़ा नहीं होगा। आज हम टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। ये टेक्नोलॉजी का ही कमाल है कि किसान सम्मान निधि समेत सभी योजनाओं का लाभ सीधे एक क्लिक पर लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का ये मतबल नहीं है कि हमारी तिजोरी में वन ट्रिलियन डॉलर रकम आ जाए।

# कंटेनर से 26 पशु बरामद, तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/चंदौली

पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार के निर्देश पर जनपद में अपराध रोकथाम व पशु तस्करों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान में बुधवार को सदर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान फुटिया गांव के समीप एक कंटेनर से 26 गोवंश बरामद किया। वही तीन अंतरप्रांतीय हिस्ट्रीशीटर पशु तस्कर को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं के जेल भेज दिया। उक्त मामले का खुलासा सीओ रामवीर सिंह ने सदर कोतवाली में किया। इस दौरान सीओ रामवीर सिंह ने बताया कि नेशनल हाइवे पर चेकिंग के दौरान पशु तस्करों द्वारा एक कन्टेनर ट्रक से 26 जीवित व दो मृत गोवंशों को क्रूरता पूर्वक लादकर वध के लिए बिहार के रास्ते पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा थे। इसी बीच थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने फुटिया गांव के समीप नेशनल हाइवे पर तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तस्करों ने अपना नाम मोहम्मद खलील निवासी मुरादाबाद मोहम्मद आजाद निवासी अमेठी कासिम निवासी अमेठी बताया है। जिन्हें गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में रावेन्द्र सिंह, अमित कुमार मिश्रा, विजय राज, सरोज यादव मौजूद रहे।

### समाजवादी पार्टी की ओर से चौपाल का आयोजन

**गाजीपुर।** रेवतीपुर गांव में सपा मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी की ओर से मंगलवार की शाम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के पूर्व मंत्री नारद राय ने पार्टी कार्यकताओं व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सनातन धर्म को मानने वाले हैं, मगर किसी दूसरे के धर्म पर कुठाराघात नहीं करते। कहा कि योगी व मोदी सरकार ने देश व प्रदेश को रसातल में पहुंचा दिया। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। पूर्व मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सर्व समाज कोई हक दिलाने के लिए दिन रात खड़ी है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील किया कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर अभी से कमर कस लें। सपा मुखिया के नेतृत्व में पार्टी 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को धूल चटाएगी। पूर्व मंत्री नारद राय ने बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी भाजपा अपने लिए वादों को पूरा कर पाने में विफल रही है। भाजपा चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवडियां बांटने का काम करेगी।

# पदयात्रा कर ग्रामीणों ने सड़क के लिए जमीन नहीं देने का किया ऐलान

केटी न्यूज/अलीनगर

(चंदौली)।क्षेत्र के रेवसा गांव से होकर भारतमाला रोड का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। इसमें तीन दलित बस्तियों के लगभग ढाई सौ लोग बेघर हो रहे हैं। इसके विरोध में पूर्व सांसद रामकिशुन यादव के नेतृत्व में बुधवार को ग्रामीण व किसानों ने पदयात्रा के माध्यम से भड़ास निकाली व हुंकार भरी। चेताया कि जान देंगे पर जमीन नहीं देंगे। सरकार चाहे जितना भी जुर्म कर ले। क्षेत्र के रेवसा गांव से होकर भारतमाला रिंग रोड निर्माण कराया जाना है। इसमें एक पूंजीपति के विद्यालय को बचाने के चक्कर में सत्ता पक्ष के दबाव में अधिकारियों द्वारा तीन दलित बस्तियों को उजाड़ कर लगभग 250 परिवारों को बेघर किया जा रहा है। इसके अलावा लगभग 100 एकड़ किसानों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है। जिससे बहुत से लोग बेघर तो बहुत से लोग भूमिहीन हो जा रहे हैं।ग्रामीणों ने कई बार धरना प्रदर्शन से लेकर जिलाधिकारी को पत्रक सौंपकर इसके विरोध में मुखर हो चुके हैं। एक बार फिर बुधवार को पूर्व सांसद रामकिशुन यादव के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण व किसानों ने पैदल पदयात्रा निकालकर तीनों बस्तियां का भ्रमण कर सरकार विरोधी नीतियों के खिलाफ हुंकार भरने का काम किया।

### श्री रामलीला सेवा समिति के तत्वावधान में निकाली गई भव्य राम बारात

# श्रीराम का दिव्य रूप देख भक्त हुए मोहित

केटी न्यूज/चंदौली

रामगढ़ में श्री रामलीला सेवा समिति द्वारा बुधवार को भव्य राम बारात निकाली गई। इस दौरान विधि विधान पूर्वक राम-सीता का विवाह रचाया गया। रामलीला मंचन के दौरान सभी पात्रों ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया।

श्री रामलीला समिति द्वारा रामगढ़ में लगभग 126 वर्षो से रामलीला का मंचन किया जाता आ रहा है। इस बार एक अनूठा मंचन का कार्य किया। जिसमें उन्होंने राम-सीता,लक्ष्मण आदि का रोल करने वाले कलाकारों को पूर्व रूप से वेशभूषा के साथ रथ में सवार होकर भव्य यात्रा निकाली। यह यात्रा रामलीला परिसर से प्रारम्भ होकर रामगढ़ नगर के विभिन्न घर मुहल्लो से होती हुई बाबा कीनाराम स्थल पर पहुंची। वहां पंकज पाण्डेय द्वारा श्री राम चंद्र समेत चारो भाइयों की विधिवत पूजन अर्चन किया गया।

यहां पर महाराज जनक व उनकी पत्नी ने राम-सीता का बिबाह मंच पर रचाया। मंच के माध्यम सेवहां पर गाली समेत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उसके बाद चारों भाई, सीता व गुरुजनों के साथ अवध के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कलाकारों को भोजन करवा कर शगुन राशि दी गई।

राम बारात के आयोजन से पूर्व नगर के मुख्य घरों को भगवा झंडों से रंगा गया। बारात में रथ, घोड़ा पर सवार होकर गाजे-बाजे के साथ आतिशबाजी करते हुए प्रभुनारायण सिंह, सुभाष सिंह फौजी, श्यामलाल सिंह सिपाही, रमेश चंद्र पाण्डेय, राधेश्याम पाण्डेय, ऋषिकेश यादव, डॉ.संजय त्रिपाठी, धनञ्जय सिंह आदि ग्रामीणों के घर होते हुए बारात बाबा कीनाराम मठ स्थल पर दर्शन पूजन की तत्पश्चात बारात रामलीला परिसर पहुंची। जहां पर बारात का नगर वासियों द्वारा स्वागत किया गया। रामलीला मंच पर मां सीता के बने मंडप पर बाहर से आए कलाकारों द्वारा सुंदर-सुंदर झांकियां दिखाई गई। नगर में अलग-अलग स्थानों पर महिला व पुरुषों द्वारा पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया गया।

### अनुदेशकों ने लगाया द्वेष पूर्ण व्यवहार करने का आरोप

**चन्दौली।** जनपद के खेल अनुदेशको का एक प्रतिनिधि मंडल बुधवार को अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिला। खेल अनुदेशको ने बताया कि जिला व्यायाम शिक्षक विवेकानंद दुबे द्वारा हम लोंगो के साथ द्वेष पूर्ण एवं अनुचित व्यवहार आए दिन किया जाता है। इनके द्वारा कहा जाता है खेल अनुदेशक संविदा पर कार्य करते हैं इसलिए पानी पिलाने एवं कुर्सी ढोने के लिए सही है। इनके द्वारा अभी तक जनपद के खेल प्रतियोगिताओं से पहले खेल अनुदेशकों के साथ कोई बैठक आयोजित नहीं की गई है। जबकि जिला स्तरीय खेलकूद हो या ब्लॉक स्तरीय खेलकूद हो या मंडल स्तरीय खेलकूद हो या प्रादेशिक स्तरीय खेलकूद हो हर जगह खेल अनुदेशक पूरी तन मेहता के साथ खेल करने का काम करते हैं। इनसे पूछने पर कहा जाता है कि खेल अनुदेशक जिले पर बैठक के लायक नहीं है। जिला व्यायाम शिक्षक अपने विद्यालय से आज तक एक भी बच्चे को जनपद स्तरीय खेलकूद में प्रतिभाग नहीं करा पाए हैं।